संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025
RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 60 मंगलवार 31 दिसम्बर 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

महत्वपूर्ण खबर

भाजपा का डबल इंजन युवाओं पर अत्याचार का प्रतीक

बीपीएससी आंदोलन पर प्रियंका गांधी ने कहा

नई दिल्ली, 30 दिसंबर 2024 (ए)। कांग्रेस नेता और वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोमवार को पटना में छात्रों को कथित रूप से प्रताड़ित करने के लिए बिहार में भाजपा के नेतृत्व वाली डबल इंजन सरकार की आलोचना की। बीते रविवार को पटना पुलिस ने 70 वीं बीपीएससी संयुक्त प्रार्भिक परीक्षा में कथित अनियमितताओं के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हजारों अभ्यर्थियों को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया और उन पर पानी की बौछार की।प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, बिहार में तीन दिन के अंदर दूसरी बार छात्रों पर अत्याचार किया गया। परीक्षाओं में भ्रष्टाचार,धांधली, पेपर लीक रोकना सरकार का काम है। लेकिन भ्रष्टाचार रोकने की जगह छात्रों को आवाज उठाने से रोका जा रहा है।

15 फीट ऊंचे मंच से गिरीं विधायक

» फटा सिर हालत नाजुक

» आयोजकों के खिलाफ केस दर्ज

नई दिल्ली, 30 दिसंबर 2024 (ए)। केरल में एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। जहां जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित एक डांस इवेंट के दौरान थ्रिक्काकरा की विधायक उमा थॉमस मंच से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गईं। करीब 15 फीट की ऊंचाई से गिरने के कारण विधायक के सिर और फेफड़ों में चोट आई है। जिसके बाद उन्हें अस्पताल में दाखिल करवाया गया। जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है।इस बीच प्रशासन ने आयोजकों के खिलाफ एक्शन लिया है और केस दर्ज कर लिया गया है।

टक्कर मारने के बाद बाइक को 2 किमी तक घसीटता रहा बोलेरो चालक

निकलती रही चिंगारी

मुरादाबाद,30 दिसंबर 2024 (ए)। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले से एक बेहद ही दिल दहला देने वाला वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में एक बोलेरो गाड़ी एक बाइक को टक्कर मारकर कई किलोमीटर तक घसीटती हुई जा रही है। इस हादसे में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया है।यह घटना संभल विधानसभा क्षेत्र के मुरादाबाद मार्ग पर हुई। जानकारी के मुताबिक, संभल सदर कोतवाली इलाके के मुरादाबाद मार्ग का मामला है। वीडियो में देखा जा सकता है कि एक बोलेरो गाड़ी ने पीछे से आ रही बाइक को जोरदार टक्कर मारी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक बोलेरो के नीचे फंस गई और गाड़ी उसे कई किलोमीटर तक घसीटती रही। इस दौरान बाइक से चिंगारियां निकलती रहीं और सड़क पर काले निशान पड़ गए।हादसे के बाद बोलेरो का चालक गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गया। जबकि बाइक सवार को स्थानीय लोगों ने अस्पताल पहुंचाया।

राहुल गांधी पर लगा सनसनीखेज आरोप

» देश को शोक में छोड़कर राहुल गांधी चले गए न्यू ईयर पार्टी मनाने ?

» बीजेपी ने लगाया आरोप

नई दिल्ली, 30 दिसंबर 2024 (ए)। राहुल गांधी को लेकर खबर है कि वो देश के बाहर गए हैं। नए साल की शुरुआत होने से ठीक पहले लोकसभा में विपक्ष के नेता के विदेश दौरे ने बीजेपी को बैठे बिठाए पूरी कांग्रेस पार्टी को घेरने का मौका दे दिया है। भारतीय जनता पार्टी ने तीखा हमला करते हुए कहा कि जब पूरा देश प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर शोक मना रहा है, और वो मौज मस्ती करने गए हैं। शहजाद पूनावाला ने एक्स पर लिखा, देश प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर शोक मना रहा है, सात दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित है। वो बाहर जा रहे हैं, इससे पता चलता है कि कांग्रेस को डॉ. मनमोहन सिंह की कोई परवाह नहीं है. राहुल गांधी ने मनमोहन सिंह के जीवनकाल में उनका अपमान किया और अब भी वो ऐसा ही कर रहे हैं। कल कोई भी कांग्रेस नेता उनके अस्थियां लेने नहीं गया। ना ही यमुना नदी में उनके अस्थि विसर्जन संस्कार में कांग्रेस का कोई नेता शामिल हुआ। यहां तक कि कांग्रेस ने डॉ. मनमोहन सिंह को भारत रत्न देने से भी इनकार कर दिया. यह उनका असली चेहरा है।

इटली नहीं वियतनाम

शहजाद पूनावाला ने कहा,राहुल गांधी के लिए पर्यटन कोई नई बात नहीं है। राहुल गांधी ने विपक्ष के नेता का मतलब विपक्ष के नेता से बदलकर पर्यटन के नेता और पार्टी के नेता कर दिया है। ऐसे समय में जब देश पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर शोक में है, राहुल गांधी पर्यटन और पार्टी के लिए निकल पड़े हैं। पूनावाला ने कहा, जब मुंबई में 26/11 का हमला हुआ, वे पूरी रात पार्टी कर रहे थे. उन्हें डॉ. मनमोहन सिंह के निधन की कोई चिंता नहीं है।

कांग्रेस का पलटवार

कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने पलटवार करते हुए इस आरोप को बीजेपी (संघियों) की भटकाव की राजनीति बताया है। गौरतलब है कि हर साल राहुल गांधी क्रिसमस के त्योहार के आस-पास विदेश खासकर इटली में होते हैं, इसे लेकर भाजपा नेताओं का कहना है कि नए साल पर लोग अपने देश में रहकर खुशियां मनाते हैं लेकिन वो नानी के घर इटली घूमते जाते हैं। ये कहते हुए अक्सर उनकी मां सोनिया गांधी के विदेशी मूल के होने की याद दिलाई जाती है।

यमुना नदी में अस्थि विसर्जित

रविवार सुबह परिवार के सदस्यों निगमबोध घाट पहुंचे। यहां अस्थियां चुनी और बाद में यमुना नदी पर बने अस्थ घाट ले गए। सिख रीति-रिवाज के साथ पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की अस्थियों को परिवार ने मजनू का टीला गुरुद्वारा के पास यमुना नदी में विसर्जित किया। इस दौरान मनमोहन सिंह की पत्नी गुरशरण कौर और उनकी तीन बेटियां उपिंदर सिंह, दमन सिंह और अमृत सिंह और अन्य रिश्तेदार मौजूद रहे।

कांग्रेस ने फायदा उठाया:अमित मालवीय

एक अन्य भाजपा नेता अमित मालवीय ने कहा कि राहुल गांधी को देश में क्या चल रहा है उससे कोई मतलब नहीं है। उन्हें या कांग्रेस के किसी भी नेता को देश से कोई मतलब नहीं है। गांधी परिवार और कांग्रेस पार्टी सिखों के खिलाफ नफरत रखती है। मालवीय ने एक्स पर लिखा, पूरा देश प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर शोक मना रहा है, राहुल गांधी नए साल का जश्न मनाने के लिए वियतनाम गए हैं। राहुल गांधी ने डॉ. सिंह की मौत का राजनीतिकरण किया और अपनी सुविधानुसार राजनीति के लिए उसका फायदा उठाया, लेकिन उनके प्रति उनकी घृणा अस्वीकार्य है। गांधी परिवार और कांग्रेस सिखों से नफरत करते हैं। वो ये कभी न भूलें कि इंदिरा गांधी ने दरबार साहिब का अपमान किया था।

एक जनवरी को अखंड पाठ

बता दें कि सिख रीति-रिवाजों के मुताबिक परिवार एक जनवरी को 3, मोतीलाल नेहरू मार्ग स्थित अपने आधिकारिक आवास पर अखंड पाठ का आयोजन करेगा। संसद परिसर के पास स्थित रकाब गंज गुरुद्वारे में 3 जनवरी को भोग समारोह, अंतिम अरदास और कीर्तन का आयोजन किया जाएगा। मनमोहन सिंह के स्मारक के मुद्दे पर कांग्रेस और भाजपा के बीच तीखी बयानबाजी का दौर जारी है। निगमबोध घाट में अंतिम संस्कार किए जाने पर कांग्रेस ने भाजपा पर निशाना साधा। वहीं भाजपा कांग्रेस पर राजनीति करने का आरोप लगा रही है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पत्र लिखकर सरकार से स्मारक के लिए जगह की मांग भी की है।

मनमोहन सिंह के अस्थि विसर्जन पर घिरी कांग्रेस, अब दी ये सफाई...

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के अस्थि विसर्जन में कांग्रेस का कोई बड़ा नेता नहीं पहुंचा। इस पर भाजपा ने कांग्रेस पर निशाना साधा। कड़ी आलोचना के बाद कांग्रेस ने सोमवार को अपनी सफाई दी। पार्टी ने कहा कि उनकी निजता को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ऐसा किया गया है।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि निजता का सम्मान करते हुए अस्थि विसर्जन में परिवार के साथ नहीं गए। पवन खेड़ा ने आगे कहा कि हमारे प्रिय दिवंगत नेता के अंतिम संस्कार के बाद सोनिया और प्रियंका गांधी वाड्रा ने उनके आवास पर परिवार से मुलाकात की।

कांग्रेस नेता ने कहा कि चर्चा के बाद यह महसूस किया गया कि परिवार को दाह संस्कार के समय कोई गोपनीयता नहीं मिली थी। परिवार के कुछ सदस्य चिता स्थल पर नहीं पहुंच सके थे। यही वजह थी कि परिवार को फूल चुनने और अस्थि विसर्जन में गोपनीयता देना उचित होगा। यह करीबी परिवार के सदस्यों के लिए भावनात्मक रूप से दर्दनाक और कठिन रस्म है।

किसानों ने फिर किया प्रदर्शन

» रोजमर्रा की चीजों की सप्लाई भी बंद रखे जाएंगे

» रेलवे ट्रैक जाम होने से108 ट्रेनें कैंसिल

नई दिल्ली,30 दिसंबर 2024 (ए)। किसान अपनी मांगों को लेकर एक बार फिर धरने पर बैठक गए हैं। दरअसल, खनौरी बॉर्डर पर 34 दिनों से अनशन कर रहे जगजीत सिंह डल्लेवाल के समर्थन में 30 दिसंबर को पंजाब बंद का एलान किया है। किसान फसलों की स्वक्क पर गारंटी समेत 13 मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे है। किसानों ने सुबह 7 बजे हाईवे बंद कर दिए। अमृतसर-दिल्ली और जालंधर-दिल्ली नेशनल हाईवे पर किसान बैठ गए हैं। फिरोजपुर रेल मंडल के डीआरएम संजय साहू ने बताया कि किसानों ने बंद की सूचना रेलवे को दी है जिसके बाद वंदे भारत, शताब्दी एक्सप्रेस सहित 108 ट्रेनें कैंसिल कर दी गई हैं।

किसानों के बंद के एलान को एसजीपीसी समेत कई धार्मिक और सामाजिक संगठनों ने भी समर्थन दिया है। एसजीपीसी अध्यक्ष एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी ने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार को अपना अड़ियल रवैया छोड़कर किसानों की जायज मांगें प्राथमिकता के आधार पर स्वीकार करनी चाहिए। एसजीपीसी कार्यालय व उसके संस्थान सोमवार को बंद रहेंगे। लुधियाना में पंजाब बंद के तहत किसानों ने दुगरी पुल पर भी जाम लगा दिया है। पुल पर किसानों ने अपने ट्रैक्टर खड़ कर दिए हैं।

अमृतसर के गोल्डन गेट पर अपनी मांगों को किसान मजदूर संघर्ष कमेटी के लोगों ने जमकर नारेबाजी की। किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल के समर्थन में आज किसानों ने पंजाब बंद का एलान किया है। पंजाब में कई जगहों पर किसान धरना दे रहे है। फाजिल्का के रेलवे स्टेशन पर किसान रेलवे ट्रैक पर बैठे हैं। राजपुरा रोड के टोल प्लाजा पर किसानों का धरना जारी है। वहीं सड़क पर वाहनों की लंबी कतारें लग गई हैं। पंजाब बंद के चलते पंजाब में कई ट्रेनें कैंसिल हैं। ट्रेनों के रद्द होने से अमृतसर रेलवे स्टेशन पर कई यात्री परेशान दिखे। किसानों द्वारा पंजाब बंद के चलते पठानकोट के मुख्य बाजार बंद हैं। पहले यह बाजार सुबह 10 बजे खुल जाते थे, लेकिन पंजाब बंद के चलते अभी तक लगभग सभी बाजार बंद हैं। उधर, किसानों ने लदपालवां टोल प्लाजा, कथलौर पुल और माधोपुर में भी धरना लगाया हुआ है। जिसके चलते बस सेवा पूरी तरह से ठप है। यात्रियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। फाजिल्का के वान बाजार में स्थित एक पेट्रोल पंप के बंद होने के चलते निराश होकर वापस लौटते वाहन चालक। बता दें कि किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल के समर्थन में आज पंजाब बंद का एलान किया गया है।

पुजारियों और ग्रंथियों को हर महीने मिलेंगे 18 हजार

दिल्ली चुनाव से पहले अरविंद केजरीवाल का बड़ा ऐलान

नई दिल्ली, 30 दिसंबर 2024 (ए)। दिल्ली के पूर्व सीएम और आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल ने मंदिरों के पुजारियों और गुरुद्वारों के ग्रंथियों के लिए पुजारी और ग्रंथी सम्मान योजना की घोषणा की। इसके तहत मंदिरों के पुजारियों और गुरुद्वारा के ग्रंथियों को सम्मान राशि देने का प्रावधान है। उन्हें लगभग 18,000 रुपए प्रति माह मानदेय दिया जाएगा।

आप के मुखिया केजरीवाल ने कहा कि इस योजना के लिए कल यानी 31 दिसंबर से रजिस्ट्रेशन से शुरू होगा। उन्होंने कहा कि कल इस योजना के रजिस्ट्रेशन का शुभारंभ करने के लिए कनॉट प्लेस के हनुमान मंदिर जाऊंगा और वहां के पुजारियों का रजिस्ट्रेशन करके आऊंगा। इसके बाद दिल्ली के सभी मंदिरों और गुरुद्वारों में हमारे एमएलए और उम्मीदवार सभी का रजिस्ट्रेशन शुरू कर देंगे। मेरी भारतीय जनता पार्टी से हाथ जोड़कर अपील है कि जैसे उन्होंने पुलिस को भेजकर फर्जी केस करके महिला सम्मान योजना को रोकने की कोशिश की लेकिन रोक नहीं पाए। उनका रजिस्ट्रेशन हो रहा है और आगे भी होगा।

बाल कटवाने के बाद दुकानदार पर चाकू से ताबड़तोड़ वार

अहमदाबाद,30 दिसंबर 2024 (ए)। अहमदाबाद शहर के वटवा इलाके में बाल कटवाने के बाद दुकानदार की दस से ज्यादा बार चाकू मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने आरोपी को तुरंत गिरफ्तार कर लिया था और उससे पूछताछ करके पूरे मामले की गुत्थी सुलझाई।

भगवान मुरुगन मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी

वडापलानी,30 दिसंबर 2024 (ए)। तमिलनाडु के वडापलानी स्थित भगवान मुरुगन मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। धमकी देने वाले व्यक्ति ने पुलिस को फोन कर दावा किया कि मंदिर में बम लगाए गए हैं और वे जल्द ही फट जाएंगे। यह कॉल सोमवार सुबह 12 बजकर 30 मिनट पर चेन्नई पुलिस नियंत्रण कक्ष को प्राप्त हुई।धमकी मिलने के तुरंत बाद पुलिस ने स्थिति को गंभीरता से लिया और बम जासूस एवं निपटान दस्ते को वडापलानी मंदिर परिसर में भेजा। सब-इंस्पेक्टर महेश मारिया के नेतृत्व में टीम ने मंदिर में गहन तलाशी अभियान शुरू किया। यह तलाशी उस समय की गई जब मंदिर सुबह की पूजा के लिए खुला था। खोजी कुत्ते भैरव की मदद से पूरे परिसर का बारीकी से निरीक्षण किया गया।

शौक के लिए पिता ने बेटे को 60 हजार रुपये में बेचकर खरीदी बाइक

गिरफ्तार होने पर बोला बेचा नहीं दान किया

बालासोर,30 दिसंबर 2024 (ए)। ओडिशा के बालासोर जिले में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक पिता ने अपनी शौक़ पूरा करने के लिए अपने ही बेटे को 60 हजार रुपये में बेच दिया। उसने इस पैसे से एक नई मोटरसाइकिल खरीदी। यह घटना पुलिस के संज्ञान में आने के बाद आरोपी पिता को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, पिता ने अपने 7 वर्षीय बेटे को एक व्यक्ति को बेच दिया था, ताकि वह अपनी व्यक्तिगत इच्छाओं को पूरा कर सके। इस घिनौनी घटना के बाद से इलाके में हड़कंप मच गया है।

60,000 में हुआ सौदा

जानकारी के अनुसार मामला ओडिशा में बालासोर जिले के हदामौद गांव की हैं। धर्मू बेहरा जो बच्चे का पिता हैं। वह अपने नवजात बेटे को एक निसंतान दंपति को सिर्फ इसलिए बेच दिया ताकि वह नई बाइक खरीद सके। 19 दिसंबर, 2024 को धर्मू ने शांति को बारिपदा के पंडित रघुनाथ मुर्मू मेडिकल कॉलेज में डिलीवरी के लिए भर्ती कराया। धर्मू पर आरोप है कि 22 दिसंबर को अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद उसने अपने नवजात बेटे को मयूरभंज जिले के सैंकुला गांव के एक निस्संतान दंपति को 60,000 रुपये में बेच दिया।

गांव के दो युवकों ने कराया सौदा

कथित तौर पर इस सौदे को गांव के दो युवकों सौदा कराया। इस बात का खुलासा तब हुआ जब धर्मू ने बेचे गए पैसे से नई बाइक खरीदी और गांव में घूमने लगा। यह देखकर ग्रामीणों को शक हुआ और उन्होंने इसकी जानकारी बाल कल्याण समिति को दी। जिसके इसकी सूचना पुलिस तक पहुंचे। पुलिस जब धर्मू से इस मामले में पूछताछ की तो सारे राज उसने उगल दिया। जिसके बाद पुलिस वालों ने बच्ची को उस दपति से बच्चे की मां को वापस लौटाया।

बचाव में आरोपी ने क्या कहा

पुलिस ने जब आरोपी पिता को गिरफ्तार किया। उसने अपने बचाव में कहा कि उसने दो शादी की है। पहली शादी से एक और दूसरी शादी से दो संतानें पहले से थीं, जिससे उसे चौथे बच्चे को पालने में मुश्किलें होती. इसलिए उन्होंने बारिपदा के दंपति को बच्चा बेच दिया।

बच्चे की मां ने क्या कहा

बच्चे की मां ने सभी आरोपों से इंकार करते हुए बताया हमने एक बच्चे को जन्म दिया पर हम उसे पाल नहीं सकते। एक दंपत्ति जिसकी कोई संतान नहीं थी हमने उन्हें बच्चे को दान में दे दिया है। हम गांव के एक परिचित के द्वारा बारिपदा के दंपत्ति के संपर्क में आए और उन्हें बच्चा दे दिया।

संपादकीय

व्यापार घाटे में बढ़ोत्तरी

समाधान देश के अंदर ही पूरा सप्लाई चेन तैयार करना है। लेकिन यह धीरज के साथ दूरगामी निवेश और नियोजन से ही हो सकता है। इस दिशा में पहल का कोई संकेत नहीं दिखता। नतीजतन,व्यापार घाटा अपरिहार्य बना हुआ है। चालू वित्त वर्ष में सिर्फ दो महीने ऐसे रहे, जब वस्तु व्यापार में उसके पिछले महीने की तुलना में व्यापार घाटा कम हुआ। लेकिन अप्रैल 2024 को आधार बनाएं, तो तब से नवंबर तक घाटा कुल मिला कर बढ़ा ही है। अप्रैल में व्यापार घाटा 19.1 बिलियन डॉलर रहा, जो नवंबर में 37.8 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। लेकिन अप्रैल 2024 को आधार बनाएं, तो तब से नवंबर तक घाटा कुल मिला कर बढ़ा ही है। अप्रैल में व्यापार घाटा 19.1 बिलियन डॉलर रहा, जो नवंबर में 37.8 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया है।इसका सीधा कारण तो निर्यात की तुलना में आयात का तेजी से बढना है,लेकिन इस बड़ी कहानी के अंदर कुछ बारीक अहम तथ्य भी हैं। नवंबर में गुजरे वर्ष के इसी महीने की तुलना में आयात 27 फीसदी बढ़ा,वहीं निर्यात 4.7 प्रतिशत गिरा।सरकारी अधिकारी चूंकि हर नकारात्मक खबर के बचाव की दलील ढूंढ कर आते हैं, इसलिए उन्होंने नवंबर के आंकड़ों के बारे में कहा कि बीते महीने सोने का आयात तेजी से बढ़ा, जबकि प्रमुख रूप से पेट्रोलियम पदाथों का निर्यात घटने की वजह से कुल निर्यात आंकड़ों में गिरावट दिखी।यानी चिंता की कोई बात नहीं है। वैसे स्वर्ण आयात बढने का रास्ता सरकार ने ही साफ किया है। इस पर आयात शुल्क में भारी कटौती और यूएई से मुक्त व्यापार समझौते का इसमें प्रमुख योगदान है।उधर रूस से सत्ता तेल खरीद कर अमेरिका और यूरोप निर्यात करने का रुझान ठंडा पड़ गया है। ऐसे पेट्रोलियम निर्यातक दूसरी जगह बाजार ढूंढ रहे हैं, लेकिन अभी इसमें ज्यादा कामयाबी नहीं मिली है।वैसे व्यापार घाटे में बढ़ोतरी का कारण और भी है। भारत के निर्यात लगातार आयात निर्भर होते गए हैं। प्रोडक्शन लिंक्ड इन्सेंटिव जैसी योजनाओं के कारण प्रमुख इनपुट्स का आयात कर निर्मित वस्तुओं के निर्यात का चलन बढ़ा है। इस तरह भारत का जितना निर्यात बढ़ता है, उसी अनुपात में आयात बढ़ जाता है। इसका सबसे ज्यादा लाभ चीन को मिला है। यानी कुल मिला कर आयात-निर्यात के कारोबार में चीन पर निर्भरता बनी हुई है। इसका उपाय देश के अंदर ही पूरा सप्लाई चेन तैयार करना है। लेकिन यह धीरज के साथ दूरगामी निवेश और नियोजन से ही हो सकता है। इस दिशा में पहल का कोई संकेत नहीं दिखता। नतीजतन,व्यापार घाटा अपरिहार्य बना हुआ है।

2025 में कैसा रहेगा राजनीतिक मतभेदों का पारा

डॉ सत्यवान सौरभ
बड़वा (सिवानी)
भिवानी,हरियाणा

2025 में भारत का राजनीतिक पटल गरमा गरम रहेगा। दिल्ली और बिहार विधानसभा चुनावों के साथ-साथ बीएमसी के चुनाव भी होंगे। कांग्रेस संगठनात्मक बदलावों पर ध्यान केंद्रित करेगी, जबकि भाजपा और संघ अपने 100 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में बड़े आयोजन करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी 75 वर्ष के हो जाएंगे और भाजपा को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष भी मिलेगा। 2024 भारतीय राजनीति के लिए एक महत्त्वपूर्ण साल था, जिसमें भारतीय जनता पार्टी ने अपनी सत्ता बरकरार रखी, लेकिन विपक्षी दलों ने भी अपनी चुनौती पेश की। राज्य चुनावों, किसान आंदोलनों, राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक मुद्दों ने राजनीति को नया मोड़ दिया। यह साल यह दिखाता है कि भारतीय राजनीति अब केवल दो प्रमुख दलों तक सीमित नहीं रही, बल्कि क्षेत्रीय और समाजवादी दल भी राष्ट्रीय राजनीति में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। 2024 ने यह साबित किया कि भारतीय राजनीति में 2025 में और अधिक बदलाव और संघर्ष देखने को मिल सकता है।

वर्ष 2025 चुनावों से परे देखने का एक अवसर प्रदान करता है। 2024 में, भारत में राजनीति ने आश्चर्यजनक मोड़ लिया। ये घटनाक्रम कुछ जगहों पर अभूतपूर्व थे, दूसरों में तेज़ या अप्रत्याशित थे। इसने दिखा दिया कि भारतीय राजनीति में अब क्षेत्रीय दलों की ताकत लगातार बढ़ रही है और भविष्य में ये दल राष्ट्रीय राजनीति में अहम भूमिका निभा सकते हैं। 2025 में चुनावों से परे देखने का मौका मिलेगा। यह शायद ऐसा साल होगा जिसमें शासन केंद्र में होगा। 2024 के लोकसभा चुनाव का एक संदेश यह था कि लोग संयम के साथ निरंतरता को प्राथमिकता देते हैं। लेकिन ऐसा लगता है कि भाजपा और कांग्रेस दोनों ने जानबूझकर जनादेश को ग़लत तरीके से पढ़ने का विकल्प चुना है। उनकी राजनीतिक स्थिति सख्त हो गई है और उन्होंने अपनी कटु प्रतिद्वंद्विता को रोज़मर्रा की राजनीति, संसद और उससे परे तक ले गए हैं।

संसद में घिनौना हंगामा और विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने से दुश्मनी और बढ़ेगी। हालात सामान्य होने के लिए दोनों पक्षों को अपने-अपने राजनीतिक और वैचारिक लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के साथ ही संवाद और बातचीत के लिए कोई बीच का रास्ता निकालना होगा। ऐसा लगता नहीं है कि मंदिर और मस्जिद पर राजनीति 2025 में खत्म हो जाएगी। 10 मस्जिदों / मजारों से जुड़ी कम से कम 18 याचिकाएँ इस समय अदालतों में लंबित हैं। मुस्लिम स्थलों पर हिंदू अधिकारों का दावा करने वाले नए मुकदमों में से अधिकांश उत्तर प्रदेश में दायर किए गए हैं। विधानसभा चुनाव अभी दो साल से ज़्यादा दूर हैं, लेकिन उत्तर प्रदेश में राजनीतिक परिदृश्य अभी से गरमाने लगा है।

2025 में होने वाले प्रमुख विधानसभा चुनाव तीन प्रमुख राजनीतिक ब्रांडों-नीतीश कुमार, अरविंद केजरीवाल और नरेंद्र मोदी के लिए एक परीक्षा होंगे। अक्टूबर-नवंबर 2025 में होने वाला बिहार विधानसभा चुनाव ब्रांड नीतीश के लिए एक बड़ी परीक्षा होगी, जिनका राजनीतिक निधन एक से ज़्यादा बार लिखा जा चुका है। चुनाव में तेजस्वी यादव की राजनीतिक क्षमता का भी परीक्षण होगा, जो लंबे समय से बिहार के मुख्यमंत्री बनने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। 2013 से दिल्ली में सत्ता में काबिज अरविंद केजरीवाल आप को लगातार तीसरी बार सत्ता में ला पाएंगे? आज, केजरीवाल की छवि और उनकी राजनीति का ब्रांड दोनों ही दांव पर हैं। प्रधानमंत्री की ब्रांड वैल्यू भी बिहार और दिल्ली दोनों में परखी जाएगी। 2014 से तीन बार सभी सात लोकसभा सीटें जीतने के बावजूद भाजपा ढाई दशक से अधिक समय से दिल्ली में राजनीतिक रूप से निर्जन है। लोकसभा और विधानसभा चुनावों को एक साथ कराने के लिए एक राष्ट्र, एक चुनाव विधेयक-जिसे अब संसद की संयुक्त समिति को भेजा गया है-भाजपा की इस बात की परीक्षा लेगा कि वह इस मामले में अपनी बात मनवा पाती या नहीं। पिछले 10 वर्षों में, भाजपा विवादास्पद कानून पारित करवाने में सफल रही है, जिसमें जम्मू-कश्मीर को विभाजित करने और (पूर्ववर्ती) राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में बदलने का विधेयक भी शामिल है। अब स्थिति अलग है। लगभग पूरा विपक्ष एक राष्ट्र, एक चुनाव प्रस्ताव के खिलाफ एकजुट है। जाति, जनगणना, यूसीसी ऐसे वर्ष में जब केंद्र सरकार विलंबित दशकीय जनगणना अभ्यास शुरू करने का इरादा रखती है, जाति पर बयानबाजी और भी तीखी हो जाएगी। बड़ा सवाल यह है कि क्या सरकार जनगणना में जाति को शामिल करेगी।

जाति और सामाजिक न्याय का मुद्दा भाजपा के हिंदुत्व के अभियान का मुकाबला कर सकता है और इसी कारण से भाजपा बटेंगे तो कटेंगे और एक हैं तो सुरक्षित हैं जैसे राजनीतिक नारे दे रही है। यूसीसी को आगे बढ़ाने के प्रयास राजनीति में नई दरार पैदा कर सकते हैं। बी आर अंबेडकर की विरासत को लेकर संसद में बयानबाजी से संकेत मिलता है कि दस्ताने पूरी तरह से बंद हो चुके हैं। प्रधानमंत्री ने मौजूदा सांप्रदायिक नागरिक संहिता के बजाय धर्मनिरपेक्ष नागरिक संहिता की ओर बढ़ने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। 2024 का साल भारतीय राजनीति में महत्त्वपूर्ण बदलावों और घटनाओं से भरा रहा। यह साल ख़ास तौर पर लोकसभा चुनाव, विपक्षी एकजुटता,राज्यों में राजनीतिक बदलाव और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के लिए चुनौतियों का साल रहा। साथ ही, यह दिखाता है कि बीजेपी को राज्यों में अपनी पकड़ बनाए रखने के लिए लगातार कड़ी मेहनत करनी होगी।

2024 भारतीय राजनीति के लिए एक महत्त्वपूर्ण साल था, जिसमें भारतीय जनता पार्टी ने अपनी सत्ता बरकरार रखी, लेकिन विपक्षी दलों ने भी अपनी चुनौती पेश की। राज्य चुनावों, किसान आंदोलनों, राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक मुद्दों ने राजनीति को नया मोड़ दिया। यह साल यह दिखाता है कि भारतीय राजनीति अब केवल दो प्रमुख दलों तक सीमित नहीं रही, बल्कि क्षेत्रीय और समाजवादी दल भी राष्ट्रीय राजनीति में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। 2024 ने यह साबित किया कि भारतीय राजनीति में 2025 में और अधिक बदलाव और संघर्ष देखने को मिल सकता है।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

नववर्ष का 365 नए अवसर, जीवन को नई राह देने का वक्त

त्रिभुवन लाल साहू
बोड़सरा जाँजगीर छत्तीसगढ़

घड़ी की सुइयाँ जैसे ही बारह पर पहुंचती हैं, एक पल ठहर जाता है। आसमान रंग बिरंगी रोशनी से जगमगा उठता है, और हमारे भीतर कहीं एक नन्हीं सी चिंगारी जलने लगती है कुछ नया करने की, कुछ अलग जीने की। नववर्ष सिर्फ तारीख बदलने का नाम नहीं है यह उस दरवाजे के खुलने जैसा है, जिसके पीछे अनगिनत संभावनाएँ इंतजार कर रही होती हैं।

बीते साल की कहानी को पलटते हुए दिल थोड़ा भारी हो सकता है। कुछ ख्वाब अधूरे रह गए होंगे, कुछ अपने बिछड़ गए होंगे। लेकिन फिर भी, हर याद, हर अनुभव अपने साथ एक तोहफा लेकर आता है। यह सोचकर सुकून मिलता है कि हमने जो खोया, वह हमें जीने की नई वजह दे गया, और जो पाया, उसने हमें खुद पर यकीन करना सिखाया।

नया साल एक खाली कैनवास की तरह है। आप चाहें तो इसे रंग-बिरंगी उम्मीदों से भर दें, या फिर कुछ गहरे रंगों में अपने डर और दर्द को भी जगह दें। यह कैनवास आपका है...जैसा चाहें, वैसा बनाइए। लेकिन इस बार, शायद इसे कुछ ऐसा रंग दें, जो आपको रोज प्रेरित करे,आपको याद दिलाए कि आप खास हैं, और आपकी कहानी अभी खत्म नहीं हुई। यह साल मौका है उन चीज़ों को ठीक करने का, जो पिछले साल की भागदौड़ में बिगड़ गईं। यह साल मौका है उन लोगों से जुड़ने का, जिन्हें हम समय की कमी में भूल गए। और सबसे बड़ी बात, यह मौका है खुद से जुड़ने का। क्या हमने कभी अपने भीतर के बच्चे से पूछा कि वह क्या चाहता है? क्या हमने खुद से वह करुणा दिखाई, जो हम दूसरों के लिए आसानी से महसूस करते हैं? नववर्ष का हर दिन हमें एक खजाने की तरह दिया गया है। हर सुबह एक नई कहानी शुरू करने का मौका है। तो क्यों न इस बार उस कहानी को अपने दिल की गहराइयों से लिखा जाए? क्यों न इस बार अपने डर को चुनौती दी जाए, और उस ख्वाब को परवाज़ दी जाए, जो अब तक सिर्फ हमारी कल्पना में सिमटा हुआ था?

जिंदगी का असली जादू उसी पल में है,जब हम हारकर भी मुस्कुराना सीखते हैं, जब दर्द के बावजूद उम्मीद का दिया जलाए रखते हैं। यह नया साल आपको यह याद दिलाने आया है कि आप कितने मजबूत हैं।

तो आइए, इस नववर्ष को एक उत्सव बनाते हैं। वह उत्सव, जिसमें हम खुद को अपनाते हैं। वह उत्सव, जिसमें हर ख्वाब को नया मौका मिलता है। और वह उत्सव, जिसमें हम जिंदगी को उसकी हर कमी और हर खूबसूरती के साथ गले लगाते हैं। नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ। यह साल आपका सबसे बेहतरीन साल हो।

आजादी के बाद भी भारत में है गरीबी

संजय गोस्वामी
मुंबई,महाराष्ट्र

किसी देश को विकसित कब माना जाता है? यह देश की समृद्धि, उसके लोगों की खुशहाली और अंतरराष्ट्रीय मंच पर उसकी स्थिति से तय होता है। और, कोई देश कितना समृद्ध है, यह उसके 'जीएनपी' यानी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) से तय होता है। 'डीपी' यानी कुल घरेलू उत्पाद, भुगतान संतुलन, विदेशी मुद्रा-मुद्रा भंडार, आर्थिक विकास दर, जीडीपी आदि। इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय व्यापार (आयात और निर्यात दोनों) की मात्रा और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में उसकी हिस्सेदारी, इन दोनों में उसकी विकास दर भी उसकी आर्थिक स्थिति को दर्शाती है। अर्थव्यवस्था कितनी मजबूत है और क्या उसमें अर्जित धन को बनाए रखने और लगातार बढ़ाने की क्षमता है। आर्थिक संकेतक अपने आप में बहुत वजन रखते हैं, लेकिन कुछ चीजें छिप भी जाती हैं, जैसे देश के आम आदमी की गरीबी और कठिनाई की बात। हैदराबाद स्थित 'डीआरडीएल' (सिक्योरिटी रिसर्च एंड डेवलपमेंट लेबोरेटरी) में अपने कार्यकाल के दौरान मैंने और राजन ने अपने अनुभवों पर खूब चर्चा की है और उन पर खूब सोचा है। वहाँ काम करते समय तीन व्यक्ति मेरे पास आए और वे मेरे लिए कुछ ऐसे प्रश्नों और समस्याओं के प्रतीक बन गए, जिनके उत्तर मैं लगातार ढूँढ़ने की कोशिश कर रहा था। पहला व्यक्ति विक्रांत था, जो दो बेटों और एक बेटी का पिता था। तीनों ही ग्रेजुएट थे और अच्छी नौकरी करते थे। उसी इलाके में कूप रहता था, जो तीन बेटों का पिता था। वह सिर्फ़ एक बेटे को पढ़ा पाया और किराए के मकान में रहता था। कपिल दो बेटियों और एक बेटे का पिता था। उसकी नौकरी पार्ट टाइम थी। गरीब होने के कारण वह अपने किसी बच्चे को पढ़ा नहीं पाया। वह घर भी बदलता रहता था। क्या उसके लिए यह संभव नहीं था कि वह अपने बच्चों को असाधारण नहीं तो साधारण और औसत जीवन जिए? ताकि वे संपन्न लोग भरपूर जीवन जी सकें, ऐसे व्यवसाय से जुड़ सकें, जिससे उन्हें अच्छा स्वास्थ्य मिले, आरामदायक जीवन जीने का अवसर मिले। राष्ट्र की परिकल्पना राष्ट्र को सकारात्मक दिशा देकर और पीढ़ियों के निरंतर और लगनशील प्रयासों के आधार पर बनती है। एक पीढ़ी अपनी मेहनत का परिणाम अगली पीढ़ी को सौंपती है और वे इस मिशन को आगे बढ़ाते हैं। चूंकि हर पीढ़ी के लोगों के पास राष्ट्र के बेहतर भविष्य के अपने सपने होते हैं, अपने आदर्श होते हैं, इसलिए वे समग्र राष्ट्रीय दृष्टि में अपना योगदान देते हैं। और, यह प्रक्रिया ऐसे ही चलती रहती है और राष्ट्र अपने आप ही उन्नति की सीढ़ियाँ चढ़ता जाता है। विकसित भारत का यही हमारा एकमात्र सपना है। 'प्रतिशत-आय' केवल लोगों की औसत आय को दर्शाता है। यह यह नहीं दर्शाता कि देश के प्रत्येक नागरिक के पास कितनी संपत्ति है। यह आँकड़ा अमीर और गरीब दोनों के औसत का औसत निकालकर निकाला जाता है। 'प्रतिशत-आय' का यह आँकड़ा यह भी नहीं दर्शाता कि वैश्विक तुलना के लिए किसी देश या राज्य या क्षेत्र की खुशहाली एक जैसी है। आजकल एक नया मानक अपनाया जाने लगा है, क्रय शक्ति

में समानता। इसके लिए कई अधिक जटिल तरीके विकसित और अपनाए गए हैं। लेकिन ये सभी मिलकर मनुष्य के दैनिक जीवन के कुछ ही पहलुओं को दर्शाते हैं। ये आंकड़े इस बात पर कोई प्रकाश नहीं डालते कि लोग अपने हासिल किए हुए जीवन स्तर को बरकरार रख पाएंगे या नहीं।लोग और विकासलोगों के जीवन से संबंधित मुद्दों की पहचान के लिए अपनाए गए मानदंड इस प्रकार हैं लोगों को किस तरह का भोजन मिलता है, भोजन की पोषण स्थिति, उनके विकास और जीवन के विभिन्न चरणों के लिए आवश्यक भोजन की उपलब्धता, औसत जीवन प्रत्याशा, शिशु मृत्यु दर और प्रति व्यक्ति मौतों की संख्या। मृत्यु दर, पीने के पानी की उपलब्धता और गुणवत्ता, रहने की जगह की मात्रा, लोगों के रहने के प्रकार, बीमारियों का प्रकोप, उनके कारण होने वाले कष्ट, विकलांगता और गड़बड़ी, चिकित्सा सुविधाओं तक पहुंच, साक्षरता, स्कूल और शैक्षिक सुविधाएं, और तेजी से हो रहे आर्थिक बदलावों और सामाजिक मांगों की निगरानी। विभिन्न स्तरों की शिक्षा की आवश्यकता के अनुसार शिक्षा की सुविधाएं आदि। जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए कई अन्य सुझाव भी दिए जा सकते हैं। और अगर इस संबंध में गांधीजी द्वारा सुझाए गए 'मन' को भी याद किया जाए और इन सुझावों में शामिल किया जाए, तो समस्या और बढ़ जाएगी। वैसे, उनका सुझाव बहुत सरल था। वे कहते थे कि देश के लिए किए गए हर काम की कसौटी यह होनी चाहिए कि क्या वह देश के सबसे गरीब और पिछड़े आदमी की आंखों से आंसू पोंछ सकता है या नहीं। उनका मानना था कि जब ऐसा दिन आएगा, तभी माना जाएगा कि हमारा देश एक समृद्ध देश बन गया है। नेहरूजी का भी सपना था कि संपूर्ण भारत सुखी और समृद्ध बने। उनका मानना था कि यह तभी संभव है, जब व्यापक असमानताएं, गरीबी, बीमारियां, अज्ञानता दूर हो और हर नागरिक को आगे बढ़ने के समान अवसर मिलें, देश की प्रगति रुकी रहेगी। लेकिन, मौजूदा हालात में उनका अपेक्षाकृत आसान लक्ष्य भी हासिल होता नहीं दिख रहा था। हालांकि, आजादी की लड़ाई के दिनों में यह आसानी से संभव लग रहा था। तब ज्यादातर भारतीय लोगों के पास पास था

देश की आजादी के लिए मर मिटने और आजाद भारत में जीने की तमन्ना। आजादी के पचास साल पूरे होने पर वो पचास साल पुराना जोश, जुनून और चाहत बिल्कुल नजर नहीं आती। जब भारत को विकसित देशों की कतार में खड़ा देखने की बात उठाई जाती है तो किसी भी भारतीय के चेहरे पर उम्मीद की चमक नहीं दिखती, जो दिखती है वो है दुख और इंसानियत से भरे चेहरे। आज ऐसा लगता है कि हम भारतीयों के मन में यह बात साफ हो गई है कि विभिन्न संकेतों से ऐसा लगता है कि उस देश के विकास की उम्मीद करना व्यर्थ है जहां के लोग लगातार प्रगति करने का प्रयास नहीं कर रहे हैं और जिनकी संख्या लगातार बढ़ रही है। जरूरी है कि हम सभी भारतीयों को न सिर्फ सुरक्षित और सुखद 'वर्तमान' मिले बल्कि बेहतर 'भविष्य' भी मिले। ऐसे विकसित भारत का सपना हम सभी को साकार करना है। रेडियो पर समाचार सुनकर पता चल गया कि दिल्ली करते थे में क्या हो रहा है। लेकिन, किसी देश की समृद्धि उसके लोगों की समृद्धि और अंतरराष्ट्रीय मंच पर उसकी स्थिति से तय होती है। और, कोई देश कितना समृद्ध है, यह उसके जीएनपी यानी उसके सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) से तय होता है। डीपी यानी कुल घरेलू उत्पाद, भुगतान संतुलन, विदेशी मुद्रा-मुद्रा भंडार, आर्थिक विकास दर, जीडीपी आदि। इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय व्यापार (आयात और निर्यात दोनों) की मात्रा और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में इसकी हिस्सेदारी, इन दोनों में इसकी विकास दर भी इसकी आर्थिक स्थिति का संकेत देती है। अर्थव्यवस्था कितनी मजबूत है और क्या इसमें अर्जित धन को बनाए रखने और लगातार बढ़ाने की क्षमता है। आर्थिक संकेतक अपने आप में बहुत वजन रखते हैं, लेकिन कुछ चीजें छिप भी जाती हैं, जैसे देश के आम आदमी की गरीबी और कठिनाई की बात तो आजादी के 77 साल बाद भी भारत में गरीबी आज भी व्याप्त है।

कविता
नए साल का सूर्योदय

घटती-घटना
प्रियंका सौरभ
हिसार, हरियाणा

खुशियों के लिए उजाले हो॥
पल-पल खेल निराले हो,
आँखों में सपने पाले हो।
नए साल का सूर्योदय यह,
खुशियों के लिए उजाले हो॥
मानवता का संदेश फैलाते,
मस्जिद और शिवाले हो।
नीर प्रेम का भरा हो सब में,
ऐसे सब के प्याले हो॥
होली जैसे रंग हो बिखरे,
दीपों की बारात सजी हो,
अँधियारे का नाम ना हो,
सबके पास उजाले हो॥
हो श्रद्धा और विश्वास सभी में,
नैतिक मूल्य पाले हो।
संस्कृति का करे सब पूजन,
संस्कारों के रखवाले हो॥
चौराहें न लुटे अस्मत,
दुः शासन न फिर बढ़ पाए,
भूख, गरीबी, आतंक मिटे,
न देश में धंधे काले हो॥
सच्चाई को मिले आजादी,
लगे झूठ पर ताले हो।
तन को कपड़ा, सिर को साया,
सबके पास निवाले हो॥
दर्द किसी को छू न पाए,
न किसी आँख से आंसू आए,
झोंपड़ियों के आंगन में भी,
खुशियों की फैली डाले हो॥
जिए और जीने दे सब
न चलते बरछी भाले हो।
हर दिल में हो भाईचारा
नाग न पलते काले हो॥
नगमों-सा हो जाए जीवन,
फूलों से भर जाए आंगन,
सुख ही सुख मिले सभी को,
एक दूजे को संभाले हो॥

बिजली चोरी या फिर अवैध निर्माण जवाबदेही तय हो

इस समय उत्तर प्रदेश में कई जगहों पर बिजली विभाग किसी भी रूप से बिजली चोरी करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई कर रहा है। अतिक्रमण करने और अवैध कब्जा करने वाले लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई कर अवैध कब्जों पर बुलडोजर चलाया जा रहा है। निश्चित रूप से समाज में संदेश जाना चाहिए कि जो भी गलत काम करेगा उस पर कार्रवाई की जाएगी। ऐसा संदेश जाएगा तो लोग अवैध काम करने से डरेंगे और बेहतर व्यवस्था और अच्छा समाज बनाने में मदद मिलेगी। लेकिन क्या ऐसी कार्रवाई करने की बात इतनी सरल है?अनेक लोग इस तरह की कार्रवाई को गलत बता रहेहैं। कुछ लोगों का आरोप है कि राजनीतिक द्वेष के कारण भी इस तरह के कदम उठाए जा रहे हैं। सवाल यह है कि क्या नियमित रूप से इस तरह की कार्रवाई की जाती है? क्या नियमित रूप से देखा जाता है कि कहां बिजली चोरी हो रही है, और कहां लोगों ने अवैध रूप से मकान बनाए हुए हैं, या कब्जे किए हुए हैं? हो सकता है कि अपवाद के तौर पर कहीं ऐसा होता हो लेकिन सामान्य तौर पर ऐसा नहीं होता। ज्यादातर मामलों में इस तरह की कार्रवाई किसी शिकायत या फिर अन्य कारणों से होती है।सवाल है कि सामान्य तौर पर ऐसी कार्रवाई क्यों नहीं होती? सामान्य तौर पर संबंधित कर्मचारी और अधिकारी क्या कर रहे होते हैं? कई मामलों में कर्मचारी और अधिकारी रित लेकर चुप हो जाते हैं, और अवैध काम की तरफ से मुंह मोड़ लेते हैं। निश्चित रूप से भारत लगातार विकास की राह पर अग्रसर है लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि देश में रित का खात्मा नहीं हो सका है। भरे बाजार में बिना नक्शा पास हुए बड़ी-बड़ी बिल्डिंग कैसे बन जाती हैं? किसी सुनसान जगह पर ऐसी बिल्डिंग बने तो बात समझ में आती है कि उस बिल्डिंग पर किसी अधिकारी की नजर नहीं पड़ी होगी। लेकिन ऐसे मुख्य बाजार और ऐसी मुख्य सड़क, जहां से अधिकारी रोज गुजरते हैं, पर भी अवैध निर्माण धड़ल्ले से होते हैं।समझ से परे है कि ऐसे निर्माण पर अधिकारियों का ध्यान क्यों नहीं जाता। जब ऐसी अवैध इमारतों में कोई हादसा हो जाता है, या इनकी शिकायत की जाती है तो अधिकारी तुरंत हरकत में जा जाते हैं। विपक्ष से जुड़े नेता की बिल्डिंग पर कार्रवाई होने में देर नहीं लगती। इसका सीधा सा अर्थ है कि संबंधित विभाग के कर्मचारी और अधिकारी जानबूझ कर अवैध निर्माण को प्रश्रय देते हैं, और जब अवैध निर्माण हो जाते हैं तो उन्हें ध्वस्त करने का डर दिखा कर उगाही की जाती है। आम तौर पर अवैध इमारतों के मालिकों को पहले नोटिस दिया जाता है। नोटिस देने के बाद ही अवैध निर्माण को ध्वस्त किया जाता है।लेकिन अक्सर नोटिस देने की प्रक्रिया में भी धांधली होती देखी गई है। कई लोगों ने आरोप लगाए हैं कि इमारत गिराने से पहले उन्हें नोटिस नहीं दिया गया। किसी भी रूप से बिजली की चोरी की जाएगी या फिर अवैध निर्माण किए जाएंगे तो इसका असर समाज और अंततः देश पर ही पड़ेगा। ज्यों-ज्यों देश विकसित हो रहा है, त्यों-त्यों देश में बिजली की खपत भी बढ़ रही है।

-रोहित कौशिक-

कवि गोष्ठी सह मुशायरा का आयोजन

मुजफ्फरपुर,30 दिसम्बर 2024। एम एस केशरी पब्लिकेशन की ओर से डायट कॉलेज रामबाग मुजफ्फरपुर के सभागार में 30 दिसम्बर 2024, सोमवार को दोपहर 12:30 बजे से कवि गोष्ठी सह मुशायरा का आयोजन किया गया है। इस कविगोष्ठी सह मुशायरा में अतिथि के रूप में मुजफ्फरपुर के गज़लकार आदरणीय महफूज आलम, पंकज कर्ण व बज्जिका कवयित्री हेमा सिंह, पब्लिकेशन की संस्थापिका मुस्कान केशरी, प्रेरणास्त्रोत श्रीमती संध्या देवी, कार्यक्रम अध्यक्षा श्रीमती अनामिका कुमारी व धीरज कुमार शर्मा जी मंच पर मौजूद रहेंगे। इसके साथ ही इस बार के कवि सम्मेलन में कुछ नए प्रतिभावान आमंत्रित स्वरों को आमंत्रित किया है। मुजफ्फरपुर से सुजाता शर्मा, हेमंत कुमार, सुचिका श्रीवास्तव, अर्पणा कुमारी, मोतिहारी से विवेक कुमार, नालंदा से राजा रंजीत सिंह, सीतामढ़ी से अमीत कुमार। वही सहयोगी सदस्य में अमीत कुमार झा, दीपिका कुमारी, जिशान अली, राज नदंनी जी कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। एम एस केशरी पब्लिकेशन मुजफ्फरपुर बिहार की निशुल्क साहित्यिक पब्लिकेशन है इस पब्लिकेशन के माध्यम से अब तक अनगिनत लोगों ने अपनी नई पहचान बनाई है। बस यही कारण है कि एम एस केशरी पब्लिकेशन को एक विश्वासी प्रकाशन के रूप में जाना जाता है।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा। -सम्पादक

CMYK

काबिज भूमि से बेदखल की संभावना, ग्रामीणों ने की इच्छा मृत्यु की मांग

- संवाददाता -
अंबिकापुर,30 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

ग्राम-नेहरूनगर डिगमा में भारत सरकार पूर्नवास विभाग मद की भूमि की खसरा नं 309, 310 कुल प्लाट 2 रकबा 2 एकड़ भूमि पर 3-4 पीढ़ी से लोग घर बनाकर रह रहे हैं। उक्त भूमि पर शासन द्वारा छग स्टेट वेयर हाऊसिंग कॉर्पोरेशन की बिल्डिंग निर्माण करने की अनुशंसा की गई है। इसके लिए 15 दिन पूर्व भूमि का सीमांकन भी कराया गया है। वहीं ग्रामीणों को भय है कि उक्त भूमि से उन्हें जिला प्रशासन द्वारा बेदखल कर दिया जाएगा। इससे लोग सडक़ पर आ जाएंगे। इस लिए ग्राम डिगमा के करीब 60 परिवार 18 दिसंबर से भूमि बचाव आंदोलन के रूप में अनिश्चितकालीन धरना पर है। ग्रामीणों की

मांग है कि ग्राम-नेहरू नगर डिगमा में काबिज भूमि के परिवारों कि काबिज भूमि का कब्जा अनुसार स्थायी पट्टा दिया जाए, अन्यथा यह आंदोलन निरंतर जारी रहेगा,यदि उनको काबिज भूमि से बल पूवर्क सरकार द्वारा हटाने का आदेश दिया जाता है तो समस्त ग्रामीण ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत व जिला पंचायत चुनाव का बहिस्कार करेगें, जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन की होगी। पीड़ित ग्रामीणों ने सोमवार को कलेक्टर जनदर्शन में पहुंचकर अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा है। ग्रामीणों का कहना है कि जिला प्रशासन जब तब हमारी बातें नहीं मानती तब तक हमलोग आंदोलन समाप्त नहीं करेंगे। अगर हमारी मांगे नहीं पूरी नहीं होती है तो हमलोग राष्ट्रपति से इच्छा मृत्यु की मांग करेंगे।

तेज रफ्तार में वाहन चलाते पाए जाने पर पुलिस करेगी कार्रवाई

- संवाददाता -
अंबिकापुर,30 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

सडक़ दुर्घटनाओं में कमी लाने सरगुजा पुलिस यातायात नियमों पर जोर दे रही है। यातायात नियमों को उल्लंघन करने वाले लोगों पर कार्रवाई कर रही है। वहीं शराब पीकर वाहन चलाने, वाहन चलाते समय मोबाइल पर बात करने,तेज रफ्तार से वाहन चलाने वालों पर कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में सरगुजा पुलिस ने रविवार को अभियान चलाकर यातायात नियम को उल्लंघन करने वाले 93 वाहन चालकों से 68 हजार रुपए समन शुल्क वसूले हैं।

कार्रवाई के दौरान 21 लोग तेज रफ्तार में वाहन चलाते पाए गए। जिनके खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई कर 23 हजार रुपए समन शुल्क

वसूला है। इसी कड़ी में मॉडिफाइड साइलेंसर का उपयोग कर दुपहिया वाहन चलाते पाए जाने पर 2 वाहन चालको से 14 हजार रुपए वाहन चलाते समय मोबाइल से बात करते पाए जाने पर 6 लोगों से 18 सौ रुपए समन शुल्क वसूले गए। वहीं 7 वाहन चालक ऐसे पाए गए जिनके पास पूर्ण दस्तावेज नहीं थे। इनके खिलाफ कार्रवाई करते हुए 21 सौ रुपए व अन्य मामले में 75 सौ रुपए समन शुल्क वसूले गए हैं। कार्रवाई के दौरान यातायात प्रभारी रक्षित निरीक्षक तृप्ति सिंह राजपूत, उप निरीक्षक विजय केवर्त, प्रधान आरक्षक नीरज पाण्डेय, जितेंद्र यादव, विमल सिंह, आरक्षक इंद्रप्रताप सिंह सक्रिय रहे।

शादी का झांसा देकर युवती से बलात्कार, गर्भवती होने पर कराया गर्भपात, आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,30 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

शादी का झांसा देकर बलात्कार करने व गर्भवती होने पर दवा खिलाकर गर्भापात कराने के मामले में गांधीनगर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार पीड़िता ने 30 अक्टूबर 2024 को गांधीनगर थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि एक युवक से पढ़ाई के दौरान जान पहचान हुई थी। युवक शादी करने का झांसा दिया था। वर्ष 2017 में पीड़िता को अपने रूम में बुलाकर बलात्कार किया था। इसके बाद बीच-बीच में आरोपी पीड़िता से मिलता था और शादी करने का झांसा देकर बलात्कार करता था। वर्ष 2021 में पीड़िता गर्भवती हो गई

थी। युवक ने पीड़िता को दवा खिलाकर जबरन गर्भपात करा दिया था। इसके बाद भी वह उससे बलात्कार करता रहा। 21 अगस्त 2024 के बाद पीड़िता से शादी करने से इंकार कर दिया। पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी राहुल सिंह उम्र 27 वर्ष निवासी पड़निया बारियों चौकी बारियों थाना राजपुर जिला बलरामपुर का को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 81, 88 बीएनएस एवं एसटी/एससी एक्ट की धारा 3(2)(वी) के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई के दौरान थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक मोरध्वज देशमुख, उप निरीक्षक रश्मि सिंह, उप निरीक्षक नवल किशोर दुबे, प्रधान आरक्षक मदन गोपाल परिहार, आरक्षक सत्यम सिंह, अनिल परिहार, तेजेश्वरी राजवाड़े सक्रिय रहे।

77 पाव अंग्रेजी शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,30 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के ग्राम आरा में एक व्यक्ति न्यू ईयर के अवसर पर शराब बिक्री करने के लिए अपने घर में रखा

था। आबकारी उडऩदस्ता टीम ने छापेमारी कर 77 पाव गोवा व्हिस्की शराब जब्त किया है। मामले में टीम ने युवक को गिरफ्तार किय है।

जानकारी के अनुसार अवैध शराब की तस्करी को देखते हुए उपायुक्त आबकारी विजय सेन शर्मा ने उडऩदस्ता टीम को कार्रवाई के सख्त दिशा निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में आबकारी उडऩदस्ता टीम को सोमवार को गश्त के दौरान मुखबिर से जानकारी मिली की बलरामपुर जिले के चौकी बरियों के ग्राम आरा निवासी राजू गुप्ता उर्फ राजकुमार गुप्ता न्यू ईयर पर शराब बेचने के लिए भारी मात्रा में मध्य प्रदेश से शराब लाया है। सूचना पर टीम छापेमारी कर 77 पाव गोवा व्हिस्की अंग्रेजी शराब जब्त किया है। मामले में टीम ने आरोपी राजू गुप्ता को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता व अन्य स्टाफ शामिल रहे।

आरक्षण कम कर पिछड़ा वर्ग के अधिकारियों का हनन कर रही सरकार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,30 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

राज्य सरकार द्वारा पिछड़े वर्ग की उपेक्षा से पूरे प्रदेश में पिछड़ा वर्ग नाराज है। आरक्षण को लेकर 29 दिसंबर को पिछड़ा वर्ग द्वारा धरना प्रदर्शन किया गया। पिछड़ा वर्ग का कहना है कि राज्य सरकार द्वारा कैबिनेट की बैठक में पिछड़े वर्ग के हितों को ध्यान में नहीं रखा गया सरगुजा जिला बस्तर जिला में पंचायत के चुनाव में ओबीसी आरक्षण को शून्य कर दिया गया। नगर पालिका नगर निगम के चुनाव में पहले जो आरक्षण ओबीसी को मिलता था उससे घटकर कम कर दिया गया है यह पिछड़े वर्ग समाज की अपेक्षा की जा रही है। हमारी निरंतर मांगों से सरकार को कोई फर्क नहीं पड़ रहा है। यह पिछड़े वर्ग के अधिकारों का हनन किया जा रहा है। जिसे जिससे पिछड़ा वर्ग कतई बर्दाश्त नहीं करेगा। आने वाले समय में प्रदेश के आव्हान पर पूरे प्रदेश में क्रमबद्ध तरीके से आंदोलन को आगे बढ़ते हुए नगर बंद चक्काजाम करेंगे। जिसकी पूरी जवाबदारी राज्य सरकार की होगी। परशुराम सोनी प्रदेश उपाध्यक्ष एवं सरगुजा संभाग प्रभारी के नेतृत्व में गांधी चौक अंबिकापुर में धरना प्रदर्शन का कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम के बाद नायाब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा गया। इस दौरान सुभाष साहू प्रदेश सचिव, भूलेश्वर राजवाड़े, रामावतार गुप्ता, नित्यानंद ठाकुर, पारसनाथ राजवाड़े, शैलेंद्र शर्मा, डॉ. कृपाशंकर पटेल, कमलेश यादव, रघुनंदन सोनी, उमाशंकर कुशवाहा, इंदु कश्यप, मालती यादव, संजू सोनी, रश्मि सोनी, यशोदा साहू, गिरिजा ठाकुर, उषा सोनी सहित अन्य शामिल रहे।

3 दिन के अंदर जर्जर राष्ट्रीय राजमार्ग की सडक़ों की सुधार नहीं हुई तो आंदोलन की चेतावनी

- संवाददाता -
अंबिकापुर,30 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

अम्बिकापुर शहर में मौजूद जर्जर राष्ट्रीय राजमार्ग को 3 दिनों के अंदर सुधारने का अल्टीमेटम जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश गुप्ता ने राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग को दिया है। उन्होंने कहा है कि अगर 3 दिनों के अंदर शहर में मौजूद राष्ट्रीय राजमार्ग के सडक़ों को अगर नहीं सुधारा गया तो जनहित में कांग्रेस वृहद आंदोलन करेगी। अम्बिकापुर शहर के अंदर की सभी प्रमुख सडक़ें जिनमे देवीगंज रोड, सदर रोड, स्कूल रोड, रामानुजगंज रोड, बिलासपुर रोड, रायगढ़ रोड, ब्रम्ह रोड आदि सभी या तो राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग की सडक़ें हैं या पी डब्ल्यूडी की सडक़ें हैं। ये सभी एक लंबे अरसे से जर्जर हो चुकी हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग की लापरवाही से जर्जर हुई इन सडक़ों के लिये बेवजह नगर निगम अम्बिकापुर को जवाबदेह ठहराया जाता है। जबकि ये सडक़ें नगर निगम के अधिकार क्षेत्र से बाहर हैं। पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने आमजन की परेशानियों और राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग के अधिकारियों द्वारा इन मार्गों की अनदेखी को ध्यान रख भरी बरसात में राष्ट्रीय राजमार्ग के बाहरी

हिस्सों की जन सहयोग से मरम्मत कराई थी। नगर निगम अम्बिकापुर के महापौर के नेतृत्व में निगम के कांग्रेस पार्षदों के दल ने एनएच कार्यालय का घेराव भी किया।

नगर निगम के निर्माण समिति के प्रभारी शफी अहमद विगत लंबे अर्से से सडक़ों को लेकर नागरिकों को हो रही असुविधा को लेकर राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग के अधिकारियों से सभी स्तर पर चर्चा कर चुके हैं। एनएच की सुधार की मांग को लेकर जिला पंचायत उपाध्यक्ष आदित्येश्वर शरण सिंहदेव एवं जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश गुप्ता के नेतृत्व में चक्काजाम भी किया जा चुका है। लेकिन संबंधित विभाग ने जन समस्या पर मौन साध लिया है। शहर के अंदर सदर रोड और महामाया चौक पर इतने बड़े बड़े गड्ढ़े हो चुके हैं कि आये दिन शहर के नागरिक दुर्घटना के शिकार हो रहे हैं। जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश गुप्ता ने कहा है कि भाजपा ने डबल इंजन की सरकार के नाम पर नागरिकों की आंखों में धूल झोंककर वोट हासिल कर लिया और सरकार तो बना ली, लेकिन सरकार बनाने के बाद विकास तो दूर की कौड़ी साबित हो गई है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश गुप्ता ने कहा है कि आगामी 3 दिनों के अंदर सडक़ों को अगर नहीं सुधारा गया तो सरकार और राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग के विरुद्ध कांग्रेस जनहित में आंदोलन प्रारंभ कर देगी।

दवना सरपंच ने 125 लोगों को पर्यटन स्थलों का कराया भ्रमण

» दवना पंचायत के सरपंच एवं पंचो व ग्रामीणो ने किया भ्रमण...पयर्टन स्थल नर्मदा अयोध्या रामलला,बनारस दर्शन का उठाए लुफ्त

- संवाददाता -
सूरजपुर,30 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

रामानुजनगर ब्लांक के अंतर्गत ग्राम पंचायत दवना के सरपंच श्रीमती मनबसीया सरपंच प्रतिनिधि अमर सिंह के द्वारा हर वर्ष कि भांति इस वर्ष भी अपने गांव के सभी वार्ड के पंचों को बस,बोलेरो, स्कार्पियो से नर्मदा स्नान एवं बनारस अयोध्या रामलला दर्शन बनारस लेकर शैक्षणिक भ्रमण कराया गया, और भ्रमण के साथ अयोध्या में सरपंच के द्वारा सभी पंचों व ग्रामीणो को मन्दिरो में पुजा अर्चना कर सैर कराया गया एवं दवना पंचायत सरपंच के प्रति सभी पंचों ने काफी प्रसन्न होकर सरपंच को धन्यवाद दिए और सभी पंच व ग्रामीण लोगो के लिए सरपंच के द्वारा भोजन का व्यवस्था कराया गया और सभी पंचों के साथ बैठकर सरपंच ने भोजन किए भोजन के पश्चात सभी पंचों को सभी सार्वजनिक स्थलों का भ्रमण कर पंचों के चेहरों पर मुस्कान खिलने लगे और सरपंच ने सभी पंचों को आशीर्वाद स्वरूप बधाई देते हुए बोले की हम सभी को एक सुत्र में बंन्ध कर रहना है आने वाले समय भी हमारे ही होंगे आप सभी को चिंता करने की जरूरत नहीं है,और इस भ्रमण कार्यक्रम में मुख्य रूप से सरपंच श्रीमती मनबसीया सिंह,अमर सिंह सरपंच प्रतिनिधि एवं कपिल देव पांडे,रामनंदे पटेल, श्री बनारसी साहू,अमर जीत सिंह, नन्द लाल चक्रधारी, दीपक गुप्ता, श्रीमती अंगिरा देव नंदनी सिंह,सोनकुवर यादव, प्रेमकली,सोनामतिया, किस्मत बाई पंच, हिरोन्दीया पंच, राजकुमारी यादव, सावित्री सिंह पंच,पुनम सिंह पंच, सुखदेव सिंह पंच,राहूल सिंह पंच, पुष्पा सिंह पंच,धनसाय सिंह पंच, कल्याण सिंह पंच शीला सिंह पंच महेश कुमार यादव पंच, शुशील साहू , कैलाशों सिंह,एवं समस्त पंच सहित ग्रामवासियों के साथ भ्रमण का किया गया।

मधुमक्खियों के हमले में घायल की इलाज के दौरान मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,30 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

बतौली थाना क्षेत्र के ग्राम भटको का बालमुकुन्द पोर्ते 55 वर्ष, मधुमक्खियों के हमले में गंभीर रूप से ज मी हो गया था, इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

जानकारी के मुताबिक बालमुकुन्द पोर्ते रविवार को पास के गांव मुरेवा में मवेशियों को लेकर चराने के लिए गया था। इसी दौरान उस पर मधुमक्खियों का झुंड अचानक उस पर हमला कर दिया। गांव के लोग चीख-पुकार सुनकर मौके पर पहुंचे तो वृद्ध मधुमक्खियों से घिरा था। जैसे-तैसे मधुमक्खियों को हटाकर वे उसे गांव लेकर पहुंचे, इसके बाद उसे शांतिपारा स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया था। यहां से रेफर करने पर स्वजन उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे थे, यहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम करके मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया है।

कलेक्टर ने की समय-सीमा प्रकरणों की समीक्षा

स्कूल बने तंबाकू मुक्त,100 मीटर की परिधि में उत्पादों की बिक्री पूर्ण रूप से हो बैन:कलेक्टर

- संवाददाता -
सूरजपुर,30 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

कलेक्टर श्री एस.जयवर्धन ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में अधिकारियों की बैठक में विभागवार समय-सीमा प्रकरणों की समीक्षा के साथ ही विभागीय गतिविधियों की समीक्षा की।

बैठक में जिले के सभी स्कूल की परिधि तम्बाकू मुक्त हो, स्कूल व कॉलेजों के आसपास तंबाकू उत्पादों का विक्रय पूर्ण रूप से प्रतिबंधित हो यह सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर ने शिक्षा विभाग को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी शैक्षणिक संस्थान के 100 मीटर की परिधि में तंबाकू उत्पाद बेचने वाली कोई भी दुकान संचालित नहीं होनी चाहिए। उन्होंने तंबाकू मुक्त शिक्षण संस्थान के लिए स्कूलों की नियमित मॉनिटरिंग व कोटपा का अनुपालन करवाने की बात कही।इसके साथ ही कलेक्टर ने संबंधित को सभी स्कूलों से तंबाकू मुक्त परिसर घोषित करने का प्रमाण पत्र भी लेने के निर्देश दिये। इस अभियान के तहत स्कूलों में जागरूकता गतिविधियां भी चलाई जायेगी और विद्यार्थियों एवं विद्यालय स्टाफ द्वारा तंबाकू एवं तंबाकू उत्पादों का सेवन कभी न करने की शपथ भी दिलाई जायेगी।

इसके साथ ही समय सीमा की बैठक में केसीसी कार्ड व प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण की प्रगति को लेकर भी चर्चा की गई और आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

बैठक में डीएफओ श्री पंकज कमल, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

CMYK

पहले हुई अरदास, फिर बच्चों ने पेश की प्रस्तुतियां

अमेरिका के सिलिकॉन वैली में मना वीर साहिबजादे बलिदानी दिवस

वाशिंगटन, 30 दिसम्बर 2024। अमेरिका की सिलिकॉन वैली में सिख और हिंदू समुदाय के लोगों ने वीर साहिबजादे बलिदान दिवस मनाया। यह गुरु गोबद सिंह के चार बेटों की शहादत की याद में मनाया जाता है। यह 26 दिसंबर को कैलिफोर्निया के ग्रेटर सैक्रामेंटो के जैन सेंटर में मनाया गया।

पहले हुई अरदास, फिर बच्चों ने पेश की प्रस्तुतियां

इसकी शुरुआत अरदास से हुई, जिसके बाद बच्चों ने मंच पर प्रस्तुतियां प्रस्तुत कीं। एल्क ग्रोव के मेयर बाबी सिंह एलन ने कहा कि यह हमारे समुदायों के लिए एक-दूसरे से सीखने का सार्थक अवसर हैं। हम एकता, विश्वास और भाईचारे को बढ़ावा देने वाले निरंतर सहयोग की आशा करता हैं।

गुरु गोविंद सिंह के बेटों ने दिया था बलिदान

गुरु गोविंद सिंह के सबसे छोटे बेटों जोरावर सिंह और फतेह सिंह ने धर्म की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया था। इनमें से एक छह वर्ष के, जबकि दूसरे नौ वर्ष के थे। वहीं अजीत सिंह और जुझार सिंह ने चमकौर साहिब में मुगल सेना के खिलाफ लड़ते हुए जान गंवा दी थी।

गुरु गोबिंद सिंह के दो बेटे बाबा अजीत सिंह और जुझार सिंह युद्ध के मैदान में लड़ते हुए वीर गति को प्राप्त हो गए थे। वहीं, बाबा जोरावर और फतेह सिंह को जिंदा ईंटों की दीवार में चुनवा दिया गया था। बताते चलें कि इस साल 9 जनवरी को गुरु गोबिंद सिंह की जयंती के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के रूप में मनाए जाने की घोषणा की थी।

स्कॉटलैंड में भारतीय छात्रा की हत्या या हादसा? नदी में मिला शव,6 दिसंबर से थी लापता

लंदन,30 दिसम्बर 2024। स्कॉटलैंड में इस महीने की शुरुआत से लापता 22 वर्षीय भारतीय छात्रा का शव एक नदी में मिला है। शव मिलने के बाद छात्रा के परिवार को सूचित कर दिया गया है। हालांकि, छात्रा के औपचारिक पहचान की प्रक्रिया अभी जारी है।

शव मिलने के बाद ये सवाल उठने लगा है कि क्या छात्रा की हत्या की गई या ये कई हादसा है।

एडिनबर्ग की यूनिवर्सिटी में पढ़ती थीं छात्रा

केरल की संत्रा साजू स्कॉटलैंड की राजधानी एडिनबर्ग में हेरियट-वाट विश्वविद्यालय में पढ़ती थीं। स्कॉटलैंड की पुलिस ने बताया कि एडिनबर्ग के पास एक गांव न्यूब्रिज के पास एक नदी में छात्रा

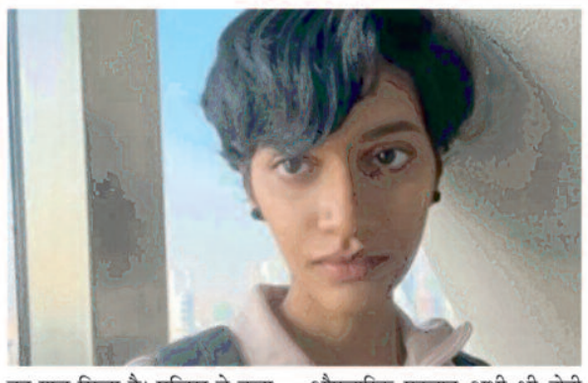

का शव मिला है। पुलिस ने कहा, 27 दिसंबर को सुबह करीब 11.55 बजे न्यूब्रिज के पास पानी में एक शव मिलने की जानकारी मिली।

परिवार को किया गया सूचित

पुलिस ने आगे बताया कि औपचारिक पहचान अभी भी होनी है, हालांकि 22 वर्षीय संत्रा साजू के परिवार को सूचित कर दिया गया है। मौत को संदिग्ध नहीं माना जा रहा है। बयान में कहा गया है कि स्कॉटलैंड की अभियोजन सेवा और मृत्यु जांच निकाय प्रोक्यूरेटर फिस्कल को एक रिपोर्ट भेजी जाएगी।

6 दिसंबर को CCTV में आखिरी बार देखा गया

साजू को आखिरी बार 6 दिसंबर की शाम को लिविंगस्टन के अल्मंडवेल में एक असदा सुपरमार्केट स्टोर में सीसीटीवी में देखा गया था। पुलिस ने एक तत्काल गुमशुदा व्यक्ति की अपील जारी की, जिसमें साजू को लगभग 5 फीट 6 इंच लंबा, भारतीय, दुबला शरीर, छोटे काले बालों वाला बताया गया।

हुड के साथ एक काले रंग की जैकेट पहने दिखी थी संत्रा

सीसीटीवी में उसने फर-लाइन वाले हुड के साथ एक काले रंग की जैकेट, बेज रंग के फरी इयरमफ और एक काला फेसमास्क पहना हुआ था। पुलिस की अपील के बाद ये माना जा रहा था कि कोई व्यक्ति उसे पहचान सकता है।

पुलिस इंस्पेक्टर एलिसन लॉरी ने कहा कि संत्रा ने शुक्रवार शाम को बर्नवेल की एक जगह से एक काले और सफेद रंग का शॉपर स्टाइल बैग उठाया था, लेकिन जब वह सुपरमार्केट में दाखिल हुई तो उसके पास यह नहीं था।

यह बैग विशिष्ट है और किसी को याद हो सकता है कि उसने इसे ले जाते हुए देखा था। पुलिस ने कहा कि हम सीसीटीवी फुटेज की समीक्षा जारी रख रहे हैं और सुपरमार्केट से संत्रा की तस्वीरें जारी की जा रही हैं, ताकि उसे कोई पहचान ले।

इजरायल में फलस्तीनियों की जगह होगी भारतीयों की भर्ती,यूपी के सुरेश और राजू ने क्या बताया?

तेल अवीव, 30 दिसम्बर 2024। इजरायल में भारतीय कामगारों का प्रभाव बढ़ता जा रहा है। वह अब धीरे-धीरे फलस्तीनियों की जगह लेने लगे हैं। इजरायल में मौजूदा समय में 16000 भारतीय मजदूर कार्यरत हैं। निर्माण कार्य से जुड़े ये मजदूर फलस्तीनियों के कारण खाली हुई जगह को भरने जुटे हैं। इजरायल का कहना है कि वह भारत से और मजदूर लाने का अभियान चलाएगा।

फलस्तीनियों पर रोक के बाद पहुंचे भारतीय

7 अक्टूबर 2023 को हमास के आतंकियों ने इजरायल पर इतिहास का सबसे बड़ा हमला किया था। हमले में लगभग 1200 इजरायली नागरिकों की हत्या की गई थी। वहीं 251 लोगों को बंधक बनाया गया था। इसके बाद इजरायल ने अपने यहां फलस्तीनियों के प्रवेश पर रोक लगा दी थी। इजरायल ने फलस्तीनियों की जगह भारत से कामगारों को बुलाने का फैसला किया था।

भारतीयों को जंग भी नहीं रोक सकी

हमास के बाद इजरायल ने लेबनान सीमा पर हिजबुल्लाह से जंग लड़ी। सीधे टकराव में दोनों तरफ भारी नुकसान हुआ। जंग के बीच बड़ी तादाद में भारतीय मजदूर बिना डरे इजरायल पहुंचे और संकट काल में इजरायल के निर्माण में भागीदारी निभाई। भारत से इजरायल पहुंचने वाले ऐसे ही एक मजदूर हैं राजू निषाद। वह मध्य इजरायल के बीर याकोव शहर में काम करते हैं। राजू उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं।

यहां डरने की कोई बात नहीं

राजू का कहना है कि यहां डरने की कोई बात नहीं है। जब सायरन बंद हो जाता है तो हम अपना काम दोबारा शुरू करते हैं। भारत की तुलना में इजरायल में कामगारों को तीन गुना अधिक आय होती है। यही वजह है कि अपने घर से हजारों किलोमीटर दूर युद्ध क्षेत्र में भी भारतीय मजदूर मजबूती से डटे हैं। राजू निषाद का कहना है कि मैं भविष्य के लिए बचत कर रहा हूं।

इजरायल में दशकों से भारतीय

इजरायल में भारतीय दशकों से कई सेक्टरों में कार्यरत हैं। बुजुर्ग इजरायली नागरिकों की देखभाल, हीरा व्यापार और आईटी क्षेत्र में भारतीय काम करते हैं। गाजा में युद्ध के बाद से भी इजरायल के निर्माण क्षेत्र में भारतीय कामगारों को लाने का अभियान शुरू किया गया।

तेल अवीव में यूपी के सुरेश

39 वर्षीय सुरेश कुमार वर्मा ने कहा कि थोड़े समय में इजरायल में कोई भी व्यक्ति अधिक पैसा कमा सकता है। सुरेश उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं। वह इजरायल की वाणिज्यिक राजधानी तेल अवीव के उत्तर में एक निर्माण स्थल पर काम करते हैं। उन्होंने कहा कि पैसा कमाना भी जरूरी है। परिवार के भविष्य के लिए कड़ी मेहनत करना जरूरी है।

भारतीयों की संख्या कम

इजरायल के शोधकर्ताओं का मानना है कि अभी भारतीय मजदूरों की संख्या कम है। सेंट्रल बैंक ऑफ इजरायल के ईयाल अर्गोव के मुताबिक हमास के हमले से पहले इजरायल में लगभग 80,000 फलस्तीनी और करीब 26,000 विदेशी निर्माण कार्य में जुटे थे। अब लगभग 30,000 विदेशी काम में जुटे हैं।

अब खिड़की से भी नहीं झांक सकेंगी महिलाएं

तालिबान,30 दिसंबर 2024। तालिबान ने महिलाओं के लिए नया फरमान जारी किया है। जिसके अनुसार उनकी पढ़ाई-लिखाई से लेकर काम करने, पहनने, बाजार जाने जैसे आम चीजें भी सिमटकर केवल घर तक रह गई हैं और अब तो तालिबानी शासन उन्हें घर की चार-दिवारी में इस तरह कैद करना चाहता है कि उनके लिए खुली हवा का झरोखा भी ना बचे।

तालिबान ने एक नया फरमान जारी करते हुए उन इमारतों में खिड़कियां बनाने पर प्रतिबंध लगा दिया है, जहां महिलाएं रहती हैं। या जहां से उनके नजर आने की संभावना हो। इसके पीछे तालिबान के सर्वोच्च नेता ने अश्लील कृत्यों' की संभावना का हवाला देते हुए अफगान महिलाओं द्वारा उपयोग किए जाने वाले क्षेत्रों की ओर खिड़कियां बनाने पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया है। तालिबान के सर्वोच्च नेता ने यह आदेश जारी किया और नगरपालिका अधिकारियों को इसका अनुपालन सुनिश्चित करने का काम सौंपा है। साथ ही यह भी कहा है कि आवासीय इलाकों में अभी महिलाओं के उपयोग वाले क्षेत्रों में जहां कहीं भी कोई खिड़की है उसे भी बंद कर दिया जाए।

तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर जारी किए गए बयान के अनुसार, नई इमारतों में खिड़कियां नहीं होनी चाहिए, जिसके माध्यम से आंगन, रसोई, पड़ोसियों के कुएं और आमतौर पर महिलाओं द्वारा उपयोग की जाने वाली अन्य जगहों को देखना संभव हो। यानी ना तो महिलाएं बाहर देख सकें और ना ही कोई और उन्हें देख सके। इस आदेश के अनुसार नगर निगम अधिकारियों और अन्य संबंधित विभागों को निर्माण स्थलों की निगरानी करनी होगी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पड़ोसियों के घर में भी देखना संभव ना हो सके। यदि अभी ऐसी कोई व्यवस्था है कि किसी के घर से पड़ोस के घर का अंदरूनी हिस्सा नजर आ रहा हो तो वहां दीवार उठा दी जाए। ताकि पड़ोसियों के कारण होने वाले उपद्रवों से निजात पाई जा सके। अगस्त 2021 में तालिबान के सत्ता में आने के बाद से महिलाओं की सार्वजनिक मौजूदगी लगभग खत्म हो चुकी है। संयुक्त राष्ट्र ने भी तालिबान प्रशासन की इस लिंग भेद वाली व्यवस्था की निंदा की है। तालिबानी शासन में लड़कियां प्राथमिक शिक्षा के बाद ना तो पढ़ सकती हैं, ना कोई नौकरी-रोजगार कर सकती हैं ना तो पार्क जैसे किसी भी सार्वजनिक स्थान पर जा सकती हैं। उन्हें हर समय अपने शरीर को कवर करके रखना होता है। यहां तक कि महिलाओं की आवाज पर भी पर्दा लगा दिया गया है।

तालिबान की धमकी- अफगानिस्तान में कोई NGO महिलाओं को नहीं देगा नौकरी, हुक्म न माना तो...

काबुल, 30 दिसम्बर 2024। तालिबान ने कहा है कि वह अफगानिस्तान में महिलाओं को रोजगार देने वाले सभी राष्ट्रीय और विदेशी गैर-सरकारी संगठनों (NGO) को बंद कर देगा। तालिबान ने दो साल पहले सभी NGO को अफगान महिलाओं को रोजगार देने से मना किया था, जिसके बाद उसका यह कदम सामने आया है। तालिबान ने यह कदम कथित तौर पर इसलिए उठाया है क्योंकि उसका कहना है कि महिलाएं इस्लामी हिजाब सही तरीके से नहीं पहनती हैं। रविवार रात को सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर पोस्ट किए गए पत्र में वित्त मंत्रालय ने चेतावनी दी कि हालिया आदेश का पालन नहीं करने पर ऐसे एनजीओ को अफगानिस्तान में काम करने का लाइसेंस खोना पड़ेगा। मंत्रालय ने कहा कि वह राष्ट्रीय एवं विदेशी संगठनों के पंजीकरण,समन्वय, नेतृत्व और उनकी सभी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए जिम्मेदार है।

पत्र के अनुसार, सरकार एक बार फिर तालिबान के नियंत्रण से बाहर के संस्थानों में महिलाओं के हर तरह के कामकाज को बंद करने का आदेश देती है। पत्र के अनुसार, ''सहयोग नहीं मिलने की स्थिति में उस संस्था की सभी गतिविधियां रद्द कर दी जाएंगी और मंत्रालय द्वारा दिया गया संस्था का गतिविधि लाइसेंस भी रद्द कर दिया जाएगा। यह अफगानिस्तान में कार्यरत NGO की गतिविधियों को नियंत्रित करने या उनमें हस्तक्षेप करने का तालिबान का नया प्रयास है। इस महीने की शुरुआत में, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को बताया गया कि अधिक से अधिक संख्या में महिला अफगान मानवीय कार्यकर्ताओं को अपना काम करने से रोका जा रहा है।

कजाखस्तान और दक्षिण कोरिया के बाद इथियोपिया में भीषण हादसा,नदी में गिरा ट्रक,60 लोगों की मौत

- इथियोपिया के बोना जिले में हुआ हादसा
- ट्रक में सवार होकर शादी में जा रहे थे लोग
- नदी में पीड़ितों की तलाश में जुटे विभाग

रॉयटर्स,अदीस अबाबा, 30 दिसम्बर 2024। अफ्रीकी देश इथियोपिया में बड़ा हादसा हुआ है। यहां यात्रियों से भरा एक ट्रक नदी में जा गिरा। हादसे में 60 लोगों की जान गई है। दक्षिणी सिदामा क्षेत्र के अधिकारियों के मुताबिक यह भीषण हादसा बोना जिले में हुआ है। क्षेत्रीय संचार ब्यूरो ने रविवार देर रात जारी एक बयान में कहा कि हादसे में घायल लोगों का बोना जनरल अस्पताल में इलाज चल रहा है।

शादी समारोह में जा रहे थे सभी

सरकारी इथियोपियन ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (EBC) ने मुताबिक सभी लोग एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। बता दें कि इथियोपिया में भीषण सड़क दुर्घटनाएं आम हैं। खराब ड्राइविंग मानक और खस्ताहाल वाहन यहां सुरक्षित यातायात के मार्ग पर सबसे बड़े बाधक हैं।

2018 में भी हुआ था भीषण हादसा

करीब छह साल पहले 2018 में भी इथियोपिया में एक बड़ा हादसा हुआ था। इस हादसे में छात्रों से भरी एक बस खड्डे में जा गिरी थी, जिसमें 38 लोगों ने अपनी जान गंवाई थी।

नदी में लोगों की तलाश जारी

ईबीसी के मुताबिक सभी लोग इसुजु ट्रक पर सवार थे। मगर अचानक ट्रक अपना रास्ता भटक गया और नदी में जा गिरा। उधर, नदी में अब भी लोगों की तलाश जारी है। राहत एवं बचाव कार्य में स्थानीय लोग और सरकारी विभाग जुटे हैं। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

दर्दनाक हादसों का गवाह बना 2024

साल 2024 जाते-जाते बड़े हादसों का गवाह बनता जा रहा है। पहले कजाखस्तान में अजरबैजान का एक विमान हादसे का शिकार हुआ। इसके बाद दक्षिण कोरिया में विमान हादसे ने लोगों को हैरत में

डाल दिया। दोनों हादसों में कुल 221 लोगों की जान गई है। इसके बाद इथियोपिया में ट्रक हादसे में 60 लोगों की मौत से कोहराम मचा है।

कजाखस्तान में गिरा अजरबैजान का प्लेन

अजरबैजान की राजधानी बाकू से रूस के चेचेन्या प्रांत की राजधानी ग्रोज्नी जा रहा अजरबैजान एयरलाइंस का विमान 25 दिसंबर को दुर्घटना का शिकार हुआ। हादसे में अब तक 42 लोगों की जान जा चुकी है। प्लेन में पांच क्रू मेंबर समेत कुल 67 यात्री सवार थे।

घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें जमीन से टकराने के बाद विमान आग के गोले में तब्दील हो गया। बाद में अजरबैजान ने रूस पर विमान गिराने का आरोप लगाया। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी माफी मांग ली है। हालांकि रूस ने यह स्वीकार नहीं किया है कि विमान उसने गिराया है।

दक्षिण कोरिया में विमान हादसे में 179 की मौत

रविवार की सुबह दक्षिण कोरिया के मुआन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक विमान हादसे का शिकार हुआ। विमान में सवार सभी 175 यात्री और चालक दल के चार सदस्यों की जान गई है। विमान बेली लैंड होने के बाद रनवे के अंत से फिसल गया था और बाद में दीवार से टकराने के बाद आग के गोले में तब्दील हो गया। चालक दल के दो सदस्यों को बचा लिया गया है। यह विमान थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक से उड़ान भरी थी।

न्यूयॉर्क के मेयर ने किया अक्षरधाम मंदिर का दौरा

- संतों के साथ की रामायण पर चर्चा; बच्चों के साथ खेला बास्केटबॉल

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर 2024। न्यूयॉर्क के मेयर एरिक एडम्स ने आज न्यूजर्सी के रॉबिंसविले में बने अक्षरधाम मंदिर में दर्शन किए। एडम्स ने मंदिर परिसर में लगभग 2 घंटे बिताए, महामंदिर का दौरा किया और मंदिर के स्वयंसेवकों के साथ बातचीत की। अपने दौरे के बाद, उन्होंने पूज्य संतो और

कार्यकर्ताओं के साथ भी समय बिताया। इस दौरान उन्होंने बीएपीएस स्वामीनारायण के इतिहास के बारे में भी बातचीत की।

तुलसी गबार्ड ने भी किए थे दर्शन

राष्ट्रीय खुफिया निदेशक नामित तुलसी गबार्ड के बाद, यह अक्षरधाम में किसी गेस्ट की दूसरी हाई-प्रोफाइल यात्रा है। संयुक्त राज्य अमेरिका के सबसे बड़े शहर और दुनिया के 10वें सबसे बड़े शहर के मेयर के रूप में एडम्स 9 मिलियन की आबादी का नेतृत्व करते हैं, जो लगभग न्यू जर्सी की पूरी आबादी के बराबर है।

अक्षरधाम मंदिर में अपने दौरा को लेकर तुलसी गबार्ड ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट भी शेयर किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए तुलसी गबार्ड ने लिखा, 'बीती रात अक्षरधाम मंदिर पहुंचकर मुझे बहुत अच्छा लगा।

चर्चा के बाद एरिक एडम्स फिर सभा में आए और उन्होंने रामायण और महात्मा गांधी के बारे में बात की। वह हिंदू धर्म और बौद्ध धर्म के बहुत अच्छे जानकार हैं और उन्होंने अपनी युवावस्था में बौद्ध भिक्षुओं के साथ श्रीलंका, भूटान और नेपाल की यात्रा की थी।

क्या है यात्रा का उद्देश्य?

उनकी यात्रा, प्रमुख स्वामी महाराज, 12,500 स्वयंसेवकों और उनके प्रेरक महंत स्वामी महाराज के दृष्टिकोण की मान्यता के साथ, अक्षरधाम के संदेश को व्यापक दर्शकों तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। वहीं एरिक एडम्स ने मंदिर के अंदर बच्चों के साथ बास्केटबॉल भी खेला।

कब शुरू हुआ था मंदिर का निर्माण?

भगवान स्वामीनारायण को समर्पित मंदिर का निर्माण 2011 में शुरू हुआ पिछले साल 2023 में खत्म हुआ। इसे दुनिया भर के 12,500 स्वयंसेवकों द्वारा बनाया गया था। मंदिर की कई प्रमुख अनूठी विशेषताओं में सबसे बड़ा गुंबद है।

पिछले साल 30 सितंबर को शुरू हुए नौ दिवसीय उत्सव के बाद रॉबिन्सविले, न्यू जर्सी में अक्षरधाम का भव्य समर्पण समारोह महंत स्वामी महाराज की उपस्थिति में आयोजित किया गया था।

CMYK

यूकेलिप्टस पेड़ की कटाई करने वालों की गाड़ी से गिरे मजदूर,ट्रक से टकराई राष्ट्रीय राज्यमार्ग में ट्रेक्टर

घटती घटना
अम्बिकापुर, शनिवार 21 दिसम्बर 2024 6
कोरिया में पुष्पा 3 तो नहीं बनाया जाएगा... यूकेलिप्टस पेड़ काटते-काटते तस्कर कहीं हसदेव के चंदन ना काटने लगे?

बिना नंबर प्लेट ओवरलोड सड़कों पर दौड़ रही ट्रैक्टरों पर क्या नहीं होगी कार्यवाही?

कई बार खबर प्रकाशन के बाद भी यातायात विभाग परिवहन विभाग है मौन,क्या अन्य राज्य के इन ट्रैक्टरों को मिली हुई है बड़ी कृपा?

- संवाददाता -
बैकुंठपुर,30 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

आखिरकार घटती-घटना की खबर एक बार फिर सच साबित हुई और घटती-घटना की खबर में जाहिर की गई आशंका सत्य हुई और यूकेलिप्टस का पेड़ लेकर कोरिया जिले की सड़कों पर बिना नम्बर की ट्रैक्टरों जिनमें क्षमता से अधिक लकड़ी हमेशा लोड रहता है और ट्रेक्टर के कभी भी दुर्घटना होने की आशंका बना रहता है और ऐसा हुआ भी जब विगत दिनों डुमरिया में एक लड़की वह भी क्षमता से अधिक लकड़ी लोड बिना नंबर की बाहरी ट्रेक्टर का एक ट्रक से टक्कर हो गया और बताया जा रहा है कि टक्कर के बाद ट्रेक्टर में क्षमता से अधिक ल़कड़ी लोड करके उसके ऊपर आदमियों को बैठाकर चल रहे उक्त ट्रेक्टर से टक्कर के दौरान आदमी डाले से नीचे आ गिरे और कई चोटिल हो गए।

» डुमरिया ट्रैक्टर ट्रक से टकराने के मामले में मजदूर हुए थे घायल,मामले को दबाया गया...
» क्या प्रशासन यातायात विभाग परिवहन विभाग है किसी बड़ी दुर्घटना के इंतजार में?
» ट्रैक्टरों में क्षमता से अधिक लकड़ी लादकर लगातार दौड़ रही हैं बाहरी ट्रेक्टर...जिम्मेदार है मौन

बताया जा रहा है कि यह घटना अंधेरे में होने के कारण इसका ज्यादा हल्ला हो नहीं पाया और फोटो भी धुंधला आया टक्कर के बाद की स्थिती का लेकिन ट्रेक्टर में बैठे लोगों के घायल होने और उनके चोरी छिपे इलाज की बात भी सामने आई है। खैर यदि यह भी मान लिया जाए कि ट्रेक्टर दुर्घटना उपरांत ज्यादा चोट नहीं पहुंची किसी को तो यह कहना भी गलत नहीं होगा कि केवल संयोग से मजदूर बच गए वरना कईयों की जान जा सकती थी। खैर अब मामले को भले ही दबा लिया गया है लेकिन सवाल फिर वही है जो दैनिक घटती-घटना उठाता चला आ रहा है। सवाल यह है कि क्या परिवहन विभाग यातायात विभाग जिला प्रशासन ने इन अन्य राज्य की बिना नंबर प्लेट की ट्रैक्टरों को क्षमता से अधिक लड़की लोड कर सड़कों पर बेतरतीब ट्रेक्टर दौड़ाने की अनुमति प्रदान कर रखी है। यदि ऐसा नहीं है तो कई बार की खबर प्रकाशन के बाद भी जिला प्रशासन यातायात विभाग परिवहन विभाग क्यों मौन है क्यों वह इन अन्य राज्य की बिना नंबर प्लेट की ट्रैक्टरों पर ओवरलोड सहित बिना नंबर प्लेट के चलने के कारण जुर्माना नहीं लगाते। क्या यह मिलीभगत है और क्या किसी बड़ी दुर्घटना का प्रशासन और यातायात सहित परिवहन विभाग इंतजार कर रहा है। घटती-घटना ने तो यूकेलिप्टस के पेड़ सहित उसकी आड़ में कट रहे अन्य पेड़ों की कटाई पर भी प्रश्न खड़े किए थे लेकिन जैसा देखा जा रहा है जिला प्रशासन मौन है पूरी तरह वह इस मामले में निश्चिंत है जैसे कि उनकी मौन सहमती बनी हुई है। वैसे घटती-घटना के द्वारा जनसरोकार की खबरों को प्राथमिकता प्रदान करने की वजह से ही खबरों का प्रकाशन किया जाता रहा है और आगे भी खबरों का प्रकाशन जारी रहने वाला है यदि इस मामले में कार्यवाही नजर नहीं आई। वैसे स्थानीय लोगों के लिए नियम कायदों की किताब और भारी जुर्माने की किताब लेकर सड़कों पर तैनात और चालान काटने वाली यातायात पुलिस क्यों बाहरी ट्रैक्टरों और बिना नंबर प्लेट और ओवरलोड ट्रैक्टरों पर कार्यवाही नहीं कर रहा है यह विचारणीय है।

क्या वन विभाग ने अपनी लकड़ी भी माफिया को सौंप दी?

जिस तरह से कोरिया जिले में सरेआम पेड़ो की कटाई जारी है यह कहना गलत नहीं है कि वन विभाग मौन है। अब सवाल यह है कि क्या वन विभाग ने अपनी जिम्मेदारी से पीछे हटकर लड़की माफिया को पूरी जिम्मेदारी सौंप दी है।

लकड़ी का परिवहन दुर्घटना को आमंत्रण देने जैसा नहीं?

जिस तरह से बिना नम्बर प्लेट की ट्रैक्टरों से वह भी बिना नियम कायदों के पालन के बनी ट्रेक्टर ट्रालियों से क्षमता से अधिक लड़की लादकर सड़को पर दौड़ रही ट्रैक्टरों से दुर्घटना की आशंका नहीं है। यदि आशंका है तो क्यों मौन हैं सभी जिम्मेदार यह सवाल जरूर खड़ा होगा और यह भी पूछा जाएगा कि क्या दुर्घटना की जिम्मेदारों को परवाह नहीं।

आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पद पर भर्ती हेतु आवेदन 13 जनवरी तक

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,30 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ शासन, महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा परियोजना अम्बिकापुर (ग्रामीण) सेक्टर मेंड्राकला के ग्राम लब्जी के भाटापारा आंगनबाड़ी केंन्द्र में सहायिका के एक पद पर 13 जनवरी 2025 तक आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। बाल विकास परियोजना अम्बिकापुर के परियोजना अधिकारी ने बताया कि आवेदन एकीकृत बाल विकास परियोजना कार्यालय अम्बिकापुर (ग्रामीण) जिला सरगुजा (छ.ग.) में कार्यालयीन समय पर जमा किया जा सकता है।

लेखा प्रशिक्षण शाला में लिपिकीय संवर्ग के कार्मचारी हेतु आवेदन 31 जनवरी तक

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,30 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

लेखा प्रशिक्षण शाला अम्बिकापुर में सत्र मार्च 2025 से जून 2025 तक लिपिकीय संवर्ग के कार्मचारी हेतु आवेदन 01 जनवरी 2025 से 31 जनवरी 2025 तक निर्धारित प्रारूप में आवश्यक दस्तावेजों सहित आमंत्रित किया गया है। उक्तानुसार पूर्णरूपेन भरा हुआ आवेदन पत्र अपने कार्यालय/विभाग के माध्यम से कार्यालय प्राचार्य लेखा प्रशिक्षण शाला अम्बिकापुर, कन्या परिसर, (महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान) अम्बिकापुर छ.ग. पिन कोड-497001 में निर्धारित समयावधि में जमा/प्रेषित कराया जा सकता है।

फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली तैयार करने संशोधित कार्यक्रम जारी

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,30 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा प्रदेश में सभी नगर पालिका के आम निर्वाचन 2024-25 अंतर्गत नगर पालिका के आम निर्वाचन एवं त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन 2024-25 अंतर्गत विकासखंडवार सभी पंचायतों में फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली तैयार करने के लिए पूर्व में जारी निर्वाचक नामावली तैयार करने के कार्यक्रम (समय-अनुसूची) में संशोधन किया गया है। इसके अनुसार निर्वाचक नामावली तैयार करने का 1 जनवरी 2025 के प्रतिनिर्देश से निर्वाचक नामावली तैयार करने के कार्यक्रम (समय-अनुसूची) निर्धारित किया गया है। कार्यक्रम (समय-अनुसूची) के द्वितीय चरण अंतर्गत मंगलवार 31 दिसम्बर 2024 को निर्वाचक नामावली का प्रारंभिक प्रकाशन कर दावा तथा आपत्तियां प्राप्त किया जाएगा। दावे-आपत्तियां प्राप्त करने की अंतिम तिथि सोमवार 6 जनवरी 2025 को अपरान्ह 3 बजे तक निर्धारित की गई है। दावा-आपत्तियों का निपटान गुरुवार 9 जनवरी 2025 तक किया जाएगा। प्ररूप क-1 में रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को दावा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि शुक्रवार 10 जनवरी 2025 तक है। प्ररूप क-1 में प्राप्त दावा का निराकरण करने की अंतिम तिथि शनिवार 11 जनवरी 2025 है। निराकरण आदेश पारित होने के 5 दिवस के भीतर दावा-आपत्तियों के निराकरण आदेश के विरूद्ध अपील की जा सकती है। मंगलवार 14 जनवरी 2025 तक परिवर्धन, संशोधन, विलोपन के प्रकरणों के प्रविष्टि सॉफ्टवेयर में करने, चेकलिस्ट का निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा जांच करवाना तथा पीडीएफ मुद्रण हेतु जिला कार्यालय को सौंपने तथा अनुपूरक सूची का मुद्रण कराना और अनुपूरक सूची को मूल सूची के साथ संलग्न करने की कार्रवाई की जाएगी। निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन बुधवार 15 जनवरी 2025 तक किया जाएगा।

दूसरे प्रांत काम करने गया युवक 6 महीने से लापता अब तक नहीं मिला सुराग

» पुलिस के सहयोग नहीं मिलने से पण्डो परिवार निराश
» प्रशासन से सहयोग की मांग

- संवाददाता -
लखनपुर, 30 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ का सरगुजा जिला आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है। जिले में निवास करने वाले भोले भाले आदिवासी लोगों को पैसे का लालच देकर दूसरे प्रांतों में काम करने ले जाया जाता है। दूसरे प्रांत गए कुछ मजदूर तो जैसे तैसे करके अपने घर तक वापस आ जाते हैं। कुछ ऐसे भी मजदूर जो दूसरे प्रांतों में काम करने गए परंतु आज तक अपने घर नहीं लौटे। लखनपुर क्षेत्र में कई ऐसे मामले सामने आ चुके हैं जहां दूसरे प्रांतों में काम करने गए मजदूरों को बंधक बनाकर काम लिया जाता है यही नहीं काम करने से इंकार करने पर उनके साथ मारपीट भी की जाती है। जन प्रतिनिधियों और पुलिस प्रशासन के हस्तक्षेप के बाद बंधक मजदूरों को उन्हें सकुशल वापस लाया जाता है। अब तक सरगुजा जिले के सैकड़ों लोग लापता है जिनका पुलिस अब तक सुराग नहीं लगा पाई है और उनके परिजन परेशान है। कुछ ऐसा ही मामला लखनपुर थाना क्षेत्र में देखने को मिला जहां 6 माह पूर्व अपने साथियों के साथ काम की तलाश दूसरे प्रांत गया 40 वर्षीय युवक आज तक अपने घर नहीं लौटा है और न ही अपने परिवार वालों से किसी भी प्रकार का संपर्क किया है। परिजनों के द्वारा माह जुलाई 2024 में लखनपुर थाने पहुंच गुमशुदगी दर्ज कराने हेतु आवेदन दिया गया। परंतु अब तक लापता युवक का कुछ पता नहीं चल सका है। मिली जानकारी के मुताबिक विशेष आरक्षित जनजाति के 40 वर्षीय युवक कमल साय पण्डो पिता राम साय पण्डो ग्राम लोसगीडेलुआबर थाना लखनपुर निवासी जो 6 माह पूर्व अपने साथियों के साथ दूसरे प्रांत काम करने गया हुआ था। लापता युवक के साथी तो अपने घर लौट आए परंतु राम साय पण्डो 6 माह बीत जाने के बाद भी अपने घर नहीं लौटा। जिसे लेकर उसके घर वाले परेशान है। परिवार वालों के द्वारा बताया जा रहा है की आखिरी बार लापता युवक को जगदलपुर के किसी होटल में काम करते दिखा था। परिवार वालों के द्वारा लापता युवक की खोजबीन की लेकिन युवक का कुछ पता नहीं चला। महा जुलाई 2024 में परिवारजनों ने लखनपुर थाने पहुंचे गुमसुदगी दर्ज कराने आवेदन दिया गया था। लापता युवक के परिवार वालों के द्वारा लगातार उसकी खोजबीन की जा रही हैायही नहीं पुलिस के कहने पर परिवार वाले रायपुर तक खोजबीन करने पहुंचे परंतु लापता युवक का कुछ पता नहीं चला। विशेष आरक्षित जनजाति का पण्डो परिवार पुलिस की सहायता नहीं मिलने से काफी निराश और हताश है। परिवार वालों ने शासन प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द लापता युवक कमल साय पण्डो को ढूंढकर उसे उसके घर वापस लाया जाए।

वाहन चालक के नेत्र सही रहेंगे तो सफर के दौरान सड़क पर दुर्घटनाएं होगी कम

- संवाददाता -
सूरजपुर,30 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने यातायात नियमों के प्रति नागरिकों में जागरूकता लाने, सड़क दुर्घटना कम करने की रणनीति को लेकर यातायात प्रभारी को नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन कराने के निर्देश दिए है। इसी तारतम्य में यातायात प्रभारी के द्वारा सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए जरूरी कदम उठाते हुए नेशनल हाईवे पर वाहन चालकों का नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन कर बस, ट्रक व छोटे-बड़े चार पहिया वाहन के चालकों का नेत्र का परीक्षण कराया है। इस कैम्प में आंखों की जांच के लिए आए वाहन चालकों को यातायात प्रभारी ने यातायात नियमों का पालन कड़ाई से करने की समझाईश दी।

सोमवार, 30 दिसम्बर 2024 को यातायात प्रभारी फर्दीनंद कुजूर ने नेशनल हाईवे पर रेड़ नदी के समीप स्थित टोल प्लाजा में वाहन चालकों के लिए नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया। जिला चिकित्सालय के नेत्र सहायक मुकेश राजवाड़े ने 93 वाहन चालको की आंखों का परीक्षण किया गया जिनमें 63 चालकों के नेत्र सही पाया गया शेष चालकों को चश्मे की आवश्यकता पाई गई जिन्हें चश्मा लगाने की हिदायत देते हुए जरूरी दवाई दी गई। यातायात प्रभारी ने बताया कि इस कैंप का मुख्य उद्देश्य बस, ट्रक व छोटे चार पहिया वाहन के चालकों की आंखों की जांच कराना है। वाहन चालकों के नेत्र सही रहेंगे तो सफर के दौरान सड़क पर दुर्घटनाएं कम होगी और लोग सुरक्षित रहेंगे। इस दौरान एएसआई चमरू राम सहित यातायात के जवान सक्रिय रहे।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है मै अथर्व अग्रवाल पिता प्रमोद कुमार अग्रवाल उम्र लगभग 15 वर्ष पता अग्रसेन चौक पूजा मेडिकल स्टोर अम्बिकापुर थाना व तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) का निवासी हूं।

मै पूर्व में अपना नाम अथर्वा अग्रवाल (ATHARVA AGRAWAL) लिखता था तथा मेरे पासपोर्ट में ATHARVA AGRAWAL अंकित है वर्तमान में मै अपना नाम ATHARV AGRAWAL रख लिया हैं तथा मेरे आधार कार्ड ATHARV AGRAWAL में अंकित हो गया है।

अतः अब मुझे नये नाम ATHARV AGRAWAL के नाम से जाना व पहचाना जाये तथा समस्त दस्तावेजों में अंकित किया जाये। जिसके लिये मै स्वयं का सपथ पत्र प्रस्तुत किया हूं।

अथर्व अग्रवाल
ATHARV AGRAWAL
पिता प्रमोद कुमार अग्रवाल
अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,छ0ग0

न्यायालय नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,छ0ग0

रा0प्र0क्र0.......... अ- 6 /2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती रंजीता सिन्हा पति स्व0 सुबोध कुमार सिन्हा, निवासी सत्तीपारा अम्बिकापुर, द्वारा मुख्तार आम अशोक कुमार सिन्हा आ0 स्व0 बिन्देश्वरी प्रसाद सिन्हा, निवासी सत्तीपारा अम्बिकापुर के द्वारा इस आशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदिका के पति स्व0 सुबोध कुमार सिन्हा एवं अनावेदकगण सुधीर कुमार सिन्हा अन्य वगैरह के संयुक्त स्वामित्व व आधिपत्य की नगर अम्बिकापुर, मोहल्ला सत्तीपारा, स्थित भूमि प्लॉट नंबर 594, 595 रकबा क्रमशः 0.05, 0.03 एकड़ भूमि है। सह भूधारक अर्थात आवेदिका के पति स्व0 सुबोध सिन्हा की मृत्यु दिनांक 15/07/2022 को हो गई है। अतः फौति नामांतरण के आधार पर आवेदिका द्वारा उक्त भूमि के नजूल अभिलेख से अपने पति का नाम विलोपित करते हुये स्वयं का नाम सह खातेदार के रूप में दर्ज कराने हेतु मृतक भूधारक की मृत्यु प्रमाण पत्र की छायाप्रति, मयदस्तावेज सहित आवेदन पत्र, अन्तर्गत धारा 109, 110 छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 15/01/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि समय सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 27/07/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील
नजूल अधिकारी
,अंबिकापुर

शहर के मुख्य मार्ग पर वाहनो को अव्यवस्थित ढंग से पार्क करने वालो पर यातायात पुलिस ने की कार्यवाही

- संवाददाता -
कोरबा,30 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

कोरबा शहर के मुख्य मार्ग पर वाहनों के व्यवस्थित संचालन को लेकर यातायात पुलिस जुटी हुई है। जिसमे कोरबा ट्रांसपोर्ट नगर के मुख्य मार्ग से निहारिका मुख्य मार्ग जाने वाले सडक पर वाहनो को अव्यवस्थित ढंग से खड़े करने वाले वाहन मालिकों पर यातायात पुलिस द्वारा कार्यवाही की जा रही है। पुलिस द्वारा पहले समझाईस भी दिया गया है। अब यातायात पुलिस द्वारा ऐसे वाहन मालिकों पर चलानी कार्यवाही की जा रही है, साथ ही क्रेन के जरिए अव्यवस्थित खड़े करने वाले दुपहिया वाहनो को भी पुलिस जब्त कर कार्यवाही सुरु कर दी है साथ ही अर्थदंड लगाने की कार्यवाही की जा रही है। यातायात पुलिस द्वारा यह

कार्यवाही यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उदेश्य से किया जा रहा है,जिससे अन्य राहगीरों को असुविधा का सामना न करना पड़े। यह कार्यवाही यातायात प्रभारी के नेतृत्व में उनके सहयोगी निरीक्षक और कर्मी द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में मॉनिटरिंग कर लोगों को नियम पालन को लेकर जागरूक भी किया जा रहा है। यातायात पुलिस की ओर से बताया गया कि सबसे अधिक समस्या ट्रांसपोर्ट नगर से पावर हाउस रोड के बीच कुछ स्थानों पर है जहां पर अव्यवस्थित ढंग से दोपहिया वाहनो को खड़ा कर दिया जाता हैं इसलिए लगातार पाम मॉल के सामने कार्यवाही की जा रही है। पिछली रात भी कार्यवाही करते हुए काफी संख्या में दुपहिया वाहनो को जप्त किया गया । यातायात पुलिस ने जनता से अपील की है के पार्किंग के लिए जो व्यवस्था दी गई है उस पर अमल करें एवं कार्यवाही होने से बचे।

भाजपा पार्षदों ने महापौर के खिलाफ किया प्रदर्शन

- संवाददाता -
कोरबा,30 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

कोरबा नगर पालिका निगम की सामान्य सभा से पहले भाजपा पार्षदों ने महापौर के खिलाफ प्रदर्शन कर नारे लगाए। इस दौरान पार्षदों ने महापौर राज किशोर प्रसाद के कथित घोटालों के नाम वाली शर्ट पहनकर और ढोल-नगाड़ों के साथ सामान्य सभा में पहुंचकर अपना विरोध जताया । पार्षदों ने साल में केवल एक बार सामान्य सभा होने पर भी नाराजगी जताई। इस प्रदर्शन के दौरान, पार्षदों ने महापौर के खिलाफ नारे लगाए और उनके इस्तीफे की मांग की।

नेता प्रतिपक्ष हितानंद की अगुवाई में भाजपा पार्षद दल ने महापौर राज किशोर प्रसाद के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। पार्षदों ने महापौर पर कथित घोटालों के आरोप लगाते हुए विरोध जताया। पार्षदों ने महापौर के खिलाफ नारे लिखी शर्ट पहनकर और ढोल-नगाड़ों के साथ सामान्य सभा में पहुंचे एवं इस्तीफे की मांग की।

पार्षदों का कहना था कि साल में केवल एक बार सामान्य सभा आयोजित करना नगर निगम प्रशासन की निष्क्रियता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि शहर की समस्याओं जैसे सफाई, पानी और सड़क मरम्मत पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। वहीं महापौर राज किशोर प्रसाद ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि नगर निगम विकास कार्यों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन राजनीतिक स्वार्थ से प्रेरित है और सामान्य सभा में सभी मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

31 जनवरी तक पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति हेतु ऑनलाइन आवेदन होगी जमा

- संवाददाता -
कोरिया,30 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

आदिवासी विकास के सहायक आयुक्त ने जानकारी दी है कि शिक्षा सत्र 2024-25 के लिए जिले में संचालित समस्त शासकीय व अशासकीय महाविद्यालय, मेडिकल, कृषि, वेटनरी, पॉलीटेक्निक, आई.टी.आई., नर्सिंग, डी.एड. एवं बी.एड. में अध्ययन कर रहें अनुसूचित जाति,अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थी ऑनलाइन पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति हेतु पात्र होंगे। ऑनलाइन आवेदन वेबसाइट https://post-matric-scholarship.cg.nic.in/ पर किया जा सकता है।

जानकारी के अनुसार ऑनलाइन पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति हेतु नवीन एवं नवीनीकरण ऑनलाइन आवेदन हेतु अंतिम तिथि 31 जनवरी 2025 निर्धारित है। ड्राफ्ट प्रपोजल लॉक करने के लिए 15 फरवरी 2025 तक एवं सेक्शन ऑर्डर लॉक करने के लिए 28 फरवरी 2025 तक का समय निर्धारित है। निर्धारित तिथि तक कार्यवाही पूर्ण नहीं करने पर यदि संबंधित संस्थाओं के विद्यार्थी छात्रवृत्ति से वंचित रह जाते है, तो इसके लिए संस्था प्रमुख स्वतः जिम्मेदार होंगे। पीएफएमएस के माध्यम से आधार आधारित पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति का भुगतान किया जाएगा। सभी विद्यार्थियों को आवेदन करते समय ध्यान रखना होगा कि उनका बचत खाता एक्टिव हो एवं आधार सीडेड बैंक खाता नम्बर की प्रविष्टि सुनिश्चित हो। पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति हेतु किए गए आवेदन का सत्यापन आधार से लिंक मोबाइल नम्बर पर ओ.टी.पी. के माध्यम से किया जाएगा। वर्ष 2024-25 से अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों को अनिवार्य रूप से ओटीआर की प्रविष्टि ऑनलाइन आवेदन करते समय किया जाना है। संस्थाओं को प्रदाय प्रशिक्षण अनुसार जियो टैगिंग संबंध में संबंधित संस्था द्वारा प्रक्रिया की जानकारी दी जाएगी।

जन्म के समय शिशुओं के वजन को लेकर कार्यशाला आयोजित

- संवाददाता -
कोरिया,30 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

जिले में जन्म के समय शिशुओं के कम वजन की समस्या को दूर करने के लिए जिला प्रशासन और महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त प्रयास से आज बैकुंठपुर में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। जिला पंचायत के ऑडिटोरियम में आयोजित इस कार्यशाला की अध्यक्षता कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने की।

कलेक्टर ने कहा कि कम उम्र में लड़कियों के विवाह और गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक भोजन न मिलने के कारण नवजात शिशुओं का वजन कम होता है। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि ऐसी समस्याओं को जड़ से समाप्त करने के लिए व्यापक मुहिम चलाएं।

उन्होंने कहा, कम उम्र में विवाह से लड़कियों के स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। गर्भावस्था के दौरान पौष्टिक भोजन और स्वास्थ्य सेवाओं की कमी से शिशु का विकास प्रभावित होता है। इससे शारीरिक, मानसिक समस्याओं को जन्म देती है। इसे रोकने के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं को गर्भवती महिलाओं को सही समय पर सलाह और सहायता प्रदान करनी चाहिए। कार्यशाला में यह भी कहा गया कि गरीबी और पारिवारिक दबाव के कारण लड़कियों की जल्दी शादी कर दी जाती है, जिससे उनके शारीरिक और मानसिक विकास पर असर पड़ता है। कलेक्टर ने कहा कि हमें सिर्फ आंकड़े का लक्ष्य हासिल नहीं करना है बल्कि समस्या के मूल कारण को समझते हुए इसे दूर करना है। कलेक्टर ने इस प्रथा को रोकने और जागरूकता अभियान तेज करने के निर्देश दिए।

आकांक्षी विकासखण्ड बैकुंठपुर में नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य में सुधार करना और मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करना है। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य है। महिला एवं बाल विकास विभाग ने बताया कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ताकि वे गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार और नियमित स्वास्थ्य जांच की जानकारी दे सकें। कार्यशाला में स्वास्थ्य विभाग और अन्य संबंधित अधिकारियों ने भी भाग लिया।

कोरिया मिलेट्स कैफे को उपमुख्यमंत्री ने किया सम्मानित

» महिला सशक्तिकरण की अद्भुत मिसाल

- संवाददाता -
कोरिया,30 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

महिलाओं की आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में उल्लेखनीय योगदान देने वाले कोरिया मिलेट्स कैफे को प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने सोमवार को अम्बिकापुर में आयोजित एक कार्यक्रम में सम्मानित किया। इस कैफे को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा भी सराहा जा चुका है।

बिहान योजना से बदली महिलाओं की किस्मत

कोरिया कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी के मार्गदर्शन में बिहान योजना के तहत संचालित इस कैफे ने ग्रामीण महिलाओं के जीवन को पूरी तरह से बदल दिया है। कैफे में कार्यरत 37 महिलाएं, जिन्हें दीदी कहा जाता है,अब लखपति की श्रेणी में आ चुकी हैं। बीते एक वर्ष में कैफे ने करीब 1.20 करोड़ रुपये का कारोबार किया है, जिसमें 30 लाख रुपये का शुद्ध लाभ महिलाओं ने अर्जित किया है।

प्रधानमंत्री की प्रशंसा

विगत माह प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कैफे की प्रमुख संचालनकर्ता सुश्री हिना खान से संवाद किया और उनके प्रयासों की सराहना की। प्रधानमंत्री ने इस पहल को महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विकास का एक आदर्श मॉडल बताया।

व्यापक आजीविका गतिविधियां

मिलेट्स कैफे के अलावा बिहान समूह की महिलाएं मसाला निर्माण, अचार, बड़ी, पापड़, चावल, दाल, टेराकोटा और सब्जी उत्पादन जैसी आजीविका गतिविधियों में भी सक्रिय हैं। ये महिलाएं न केवल अपनी आर्थिक स्थिति सुधार रही हैं, बल्कि अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा बन रही हैं।

उपमुख्यमंत्री की बधाई

सम्मान समारोह में उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कहा,कोरिया मिलेट्स कैफे महिला सशक्तिकरण का बेहतरीन उदाहरण है। यह पहल ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें नई पहचान दिलाने में सफल रही है।

कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी ने अपने सन्देश में कहा कि कोरिया मिलेट्स कैफे स्वावलंबन की दिशा में अन्य महिला समूह के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने सभी दीदियों को बधाई देते हुए कहा कठिन परिश्रम और लगन से ही यह सफलता हासिल हुई है। इसमें सभी की भागीदारी बढ़चढ़ कर रही है।

मां बागेश्वरी धाम लोक न्यास ट्रस्ट कुदरगढ़ के प्रथम निर्वाचित अध्यक्ष के भव्य स्वागत की जोर-शोर से तैयारी शुरू

» रामसेवक पैकरा के प्रथम सूरजपुर आगमन पर श्री नवयुवक दुर्गा मंडल करेगा आतिशी स्वागत

- संवाददाता -
सूरजपुर, 30 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

मां बागेश्वरी धाम लोक न्यास ट्रस्ट कुदरगढ़ का 22 वर्षों के इंतजार के बाद ट्रस्ट अपने पूर्ण अस्तित्व में आया, ट्रस्ट को प्रथम निर्वाचित अध्यक्ष भी मिला। जिसमें इस निर्वाचन के दौरान छत्तीसगढ़ शासन के पूर्व गृहमंत्री रामसेवक पैकरा को सर्वानुमति से प्रथम निर्विरोध चुना गया। जिसकी सूचना प्राप्त होते ही सूरजपुर की अग्रणी धार्मिक एवं सामाजिक संस्था श्री नवयुवक दुर्गा मंडल के प्रमुख मदनलाल गोयल व उनकी पूरे मंडल की टीम के द्वारा ट्रस्ट के निर्वाचित अध्यक्ष श्री पैकरा को बधाई देते हुए संस्था द्वारा निर्मित दुर्गा पंडाल प्रांगण सूरजपुर शहर की शक्तिपीठ आने का आग्रह किया था जिसपर श्री पैकरा ने दुर्गा मंडल के द्वारा लंबे समय से कुदरगढ़ एवं देवगढ़ धाम में किए जाने वाले अग्रणी सेवा

कार्य हेतु काफी प्रशंसा करते हुए सहजता से आमंत्रण स्वीकार किया है। उनके प्रथम आगमन पर मंडल की पूरी टीम में बहुत ज्यादा उत्साह का माहौल निर्मित है और उनके स्वागत की तैयारियो को लेकर अंतिम रूप देने में लगे हुए है।

इस आयोजन को लेकर मंडल के सचिव हुलेश्वर प्रसाद गुप्ता ने बताया कि श्री पैकरा जी का 31 दिसंबर की शाम 8 बजे जिला मुख्यालय सूरजपुर के भैयाथान रोड़ स्थित श्री नवयुवक दुर्गा मंडल के प्रांगण में प्रथम नगर आगमन होगा। इस दौरान श्री नवयुवक दुर्गा मंडल सूरजपुर की टीम द्वारा पंडाल में धार्मिक मंत्रोच्चार के साथ भव्य रूप से स्वागत अभिनंदन किया जाएगा। इस अवसर पर मंडल के नरेश बंसल ने कहा कि श्री पैकरा जी को माता बागेश्वरी धाम लोक न्यास ट्रस्ट कुदरगढ़ के प्रथम निर्वाचित अध्यक्ष होने पर हम सब काफी गौरवान्वित है और उनके आगमन पर हमें स्वागत करने का अवसर प्राप्त होगा। इस के साथ ही मंडल के द्वारा वर्ष 2024 की विदाई समारोह के साथ धार्मिक गीतो से ओतप्रोत भजन संध्या के भव्य कार्यक्रम का आयोजन भी किया जाएगा।

अवैध धान परिवहन पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, 120 बोरी धान जब्त

- संवाददाता -
कोरिया,30 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

जिले में अवैध धान परिवहन के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 70 बोरी धान जब्त किया। यह कार्रवाई पटना तहसीलदार श्री प्रतीक जायसवाल के नेतृत्व में की गई। जानकारी के अनुसार, 27 दिसंबर को ग्राम डुमरिया स्थित अमन एग्रो राइस मिल से धान का अवैध परिवहन कर सूरजपुर ले जाया जा रहा था। तहसीलदार ने सतर्कता दिखाते हुए वाहन क्रमांक सीजी 15-सी.वाय. 2211 को रास्ते में पकड़ लिया।

इस कार्रवाई में सहायक खाद्य अधिकारी श्री एन. एस. राठौर का भी सहयोग रहा। जब्त वाहन और उसके चालक को थाना पटना के सुपुर्द कर दिया गया। तहसीलदार श्री जायसवाल ने स्पष्ट किया कि अवैध गतिविधियों पर प्रशासन की सख्ती जारी रहेगी और मिल मालिकों व व्यापारियों को नियमों का पालन करने की चेतावनी दी।

सोनहत में आकस्मिक निरीक्षण, 50 बोरी धान जब्त

धान खरीदी केंद्र सोनहत में भी तहसीलदार ने आकस्मिक निरीक्षण किया। जांच में पता चला कि कृषक जोखन ने कोचिया श्याम लाल यादव से 50 बोरी धान खरीदा था और उसे समिति में बेचने की कोशिश कर रहा था। साथ ही, दो बोरी पुराना धान घर से लाया गया था। जांच में कोचिया का धान प्रमाणित होने पर दोनों को जब्त कर लिया गया। मौके पर पंचनामा तैयार कर 50 बोरी धान और दो बोरी पुराने धान को सुपुर्दगी में दे दिया गया।

अवैध कारोबारियों में हड़कंप

प्रशासन की सख्ती और त्वरित कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध कारोबार करने वालों में खलबली मच गई

है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और दोषियों पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जींस पहनकर खेलने की अनुमति मिलने के बाद विश्व ब्लिट्ज चैम्पियनशिप में लौटे कार्लसन

युगांडा,30 दिसम्बर 2024। फिडे से खिलाड़ियों को जींस पहनकर खेलने की अनुमति मिलने के बाद दुनिया के नंबर एक शतरंज खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन विश्व ब्लिट्ज चैम्पियनशिप में लौटे जिन्हें ड्रेस कोड के उल्लंघन के कारण रैपिड वर्ग से बाहर कर दिया गया था।

भारत अब कैसे करेगा फाइनल में एंट्री

इस टीम के हाथ में है किस्मत

मेलबर्न,30 दिसम्बर 2024। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मेलबर्न में खेला गया चौथा टेस्ट मैच भी टीम इंडिया हार गई है। ऐसे में अब टीम काफी मुश्किल में घिरी नजर आ रही है। पहली बात तो यही है कि बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी हाथ से जाने का खतरा मंडराने लगा है, साथ ही अब तो विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में जाने के भी लाले से पड़ गए हैं। हालांकि अच्छी बात ये है कि सीरीज का एक और मैच हारने के बाद भी टीम इंडिया डब्ल्यूटीसी फाइनल की रेस से पूरी तरह बाहर नहीं हुई है। बस इतना है कि टीम इंडिया की किस्मत अब उसके हाथ में नहीं है, उसे दूसरी टीम पर निर्भर रहना होगा, जो कतई ठीक नहीं है।

टीम इंडिया ड्रॉ तक नहीं

कर सकी मुकाबला

रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया से 184 रनों की करारी शिकस्त झेलनी पड़ी है। भारतीय टीम की बल्लेबाज एक बार फिर नहीं चली। जीत की बात तो दूर है, बल्लेबाजों से मैच ड्रॉ तक नहीं हो पा रहा है। चलिए जरा समझते हैं कि टीम इंडिया अब अगर यहां से विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल खेलना चाहती है तो उसे क्या करना होगा। भारतीय टीम के समीकरण बिल्कुल साफ हैं। उसे हर हाल में सिडनी में खेला जाने वाला आखिरी मुकाबला जीतना होगा। अगर सिडनी में हार मिली तो कहानी खत्म हो जाएगी। लेकिन आखिरी टेस्ट जीतकर भी फाइनल की सीट पक्की नहीं होगी।

सिडनी टेस्ट जीतकर भी श्रीलंका के रहने होगा भरोसे

भारतीय टीम अगर सिडनी में होने वाला आखिरी मुकाबला जीत जाती है तो फिर उसकी ये बड़ी जीत होगी, क्योंकि सीरीज बराबरी पर खत्म होगी और बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी भारत के पास ही रहेगी, क्योंकि मौजूदा चैंपियंन टीम इंडिया है। वहीं भारत की जीत से विश्व टेस्ट चैंपियनिशप फाइनल की उम्मीद भी जिंदा रहेगी। टीम इंडिया का तो ये आखिरी मैच होगा, लेकिन ऑस्ट्रेलियाई टीम इसके बाद दो और मैच खेलेगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए श्रीलंका का दौरा करेगी, जो 29 जनवरी से शुरू होगी।

श्रीलंका ने अगर ऑस्ट्रेलिया को पीटा तो भारत का बन सकता है काम

श्रीलंका में जाकर उनकी जमीन पर ऑस्ट्रेलिया के लिए जीत दर्ज करना कोई आसान काम नहीं होगा। अगर श्रीलंकाई टीम ऑस्ट्रेलिया को सीरीज में एक मैच हरा देती है और दूसरा ड्रॉ हो जाता है तो टीम इंडिया के लिए संभावनाएं जीवित रहेंगी। वहीं अगर कहीं श्रीलंकाई टीम अपनी जमीन पर ऑस्ट्रेलिया को दो मैच में ही हराने में कामयाब हो जाती है तो फिर टीम इंडिया की बल्ले बल्ले हो जाएगी। हालांकि ये आसान काम नहीं है, लेकिन क्रिकेट की दुनिया में कभी भी कुछ भी हो सकता है। टीम इंडिया का पहला टारगेट तो यही होगा कि सीरीज का आखिरी मैच जीतकर डब्ल्यूटीसी की अपनी संभावनाओं को जीवित रखा जाए। अब अगले टेस्ट पर ही सभी की निगाहें टिकी होंगी।

जसप्रीत बुमराह आईसीसी के साल के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट क्रिकेटर के पुरस्कार की दौड़ में

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर 2024। भारत के शीर्ष तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को सोमवार को इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के साल के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट क्रिकेटर के पुरस्कार के लिए नामित किया गया। इंग्लैंड के एक अन्य बल्लेबाज हैरी ब्रूक और श्रीलंका के कामिंदु मेंडिस को भी इस सूची में जगह मिली है।

बुमराह 2024 में टेस्ट क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज रहे हैं। उन्होंने 13 मैच में 14.92 की औसत और 30.16 के स्ट्राइक रेट से 71 विकेट चटकाए हैं जो पारंपरिक प्रारूप में किसी भी गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने मौजूदा बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भी शानदार प्रदर्शन किया है और चार टेस्ट मैच में 30 विकेट के साथ श्रृंखला का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज है।

आईसीसी ने अपनी वेबसाइट पर कहा, ''2023 में पीठ की चोट से उबरने के बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी करने वाले बुमराह ने 2024 में गेंदबाजी में अपना दबदबा बनाया। कैलेंडर वर्ष में 13 टेस्ट मैच में बुमराह ने अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 71 विकेट

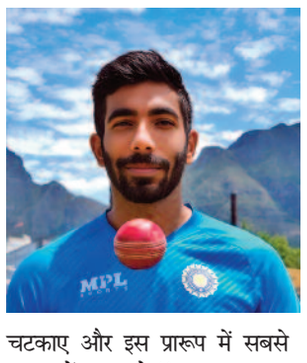

चटकाए और इस प्रारूप में सबसे सफल गेंदबाज रहे।''

आईसीसी ने कहा, ''चाहे दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया में तेज गेंदबाजों के लिए अनुकूल परिस्थितियां हों या स्वदेश में तेज गेंदबाजों के लिए कठिन परिस्थितियां, बुमराह ने पूरे साल प्रभावशाली प्रदर्शन किया। भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर हालांकि इस तेज गेंदबाज ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।''

आईसीसी ने पर्थ में बुमराह के मैच का रुख बदलने वाले स्पैल को उनके सबसे यादगार प्रदर्शन में से एक माना जिसकी बदौलत भारत ने 295 रन से जीत दर्ज की। इंग्लैंड के शीर्ष बल्लेबाज रूट इस साल सबसे प्रभावशाली बल्लेबाज रहे जिन्होंने 17 टेस्ट मैच में 55.57 की औसत से 1,556 रन बनाए। 34 वर्षीय रूट ने अपने करियर में पांचवीं बार एक कैलेंडर वर्ष में एक हजार रन का आंकड़ा पार किया जबकि इस दौरान उन्होंने छह शतक और पांच अर्द्धशतक लगाए।आईसीसी ने पाकिस्तान के खिलाफ मुल्तान में रूट के करियर की सर्वश्रेष्ठ 262 रन की पारी को याद किया जो टेस्ट में उनका छठा दोहरा शतक भी था और उनकी सर्वश्रेष्ठ पारियों में से एक। रूट के हमवतन ब्रूक भी 12 टेस्ट में 55.00 की औसत से 1,100 रन बनाकर सर्वश्रेष्ठ टेस्ट क्रिकेट में रूप में नामित चार खिलाड़ियों की सूची में जगह बनाने में सफल रहे।

अभी संन्यास का नहीं सोच रहे हैं रोहित शर्मा

खुद बताया आगे का प्लान

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर 2024। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट गंवाने के बाद टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा के रिटायरमेंट की खबरें जोरों पर हैं। मीडिया रिपोर्ट् के मुताबिक रोहित जल्द ही टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह देंगे। दावा है कि रोहित शर्मा सिडनी टेस्ट के बाद

संन्यास ले लेंगे। सिडनी टेस्ट का आगाज 3 जनवरी से होगा। ये मैच अगर पूरे पांच दिनों तक चला तो 7 जनवरी को रोहित शर्मा के टेस्ट करियर का आखिरी दिन हो सकता है।

बीसीसीआई और चयनकर्ता रोहित शर्मा के संन्यास की बातें करने लगे हैं। लेकिन टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा सेलेक्टर्स को मनाने में जुटे हैं। रोहित शर्मा दरअसल, वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल खेलना चाहते हैं अगर टीम इंडिया पहुंची तो वो मुकाबला उनका आखिरी मैच हो सकता है। वैसे इसकी संभावना कम है ऐसे में सिडनी रोहित का आखिरी टेस्ट मैच हो सकता है।

कॉनर मैकग्रेगर ने वॉनखेड़े स्टेडियम में लोगन पॉल के खिलाफ अपने मुकाबले की पुष्टि की

मुंबई,30 दिसम्बर 2024। अल्टीमेट फाइटिंग चैंपियनशिप के स्टार कॉनर मैकग्रेगर ने जल्द ही मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में लोगन पॉल के खिलाफ होने वाले अपने रोमांचक मुकाबले से पहले भारत के प्रति अपने प्यार का इजहार किया। मुंबई में रहने वाले प्रतिष्ठित अंबानी परिवार द्वारा आयोजित इस मुकाबले में दोनों फाइटर्स को 250 मिलियन डॉलर मिलेंगे, क्योंकि यह मुकाबला विजिट इंडिया पर्यटन अभियान के दौरान होगा। 30 दिसंबर, सोमवार को अपने ट्वीट के साथ, 36 वर्षीय ने उपमहाद्वीप के अपने दौरे की पुष्टि की है। इतिहास के सबसे विस्फोटक फाइटर्स में से एक,

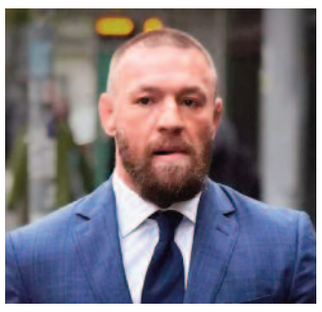

मैकग्रेगर जुलाई 2021 में डस्टिन पॉयरियर के खिलाफ़ ट्राइलॉजी फाइट के दौरान पैर में चोट लगने के बाद से एक्शन में नहीं दिखे हैं। हालाँकि उन्हें जून 2023 में माइकल चैंडलर के खिलाफ़ मुकाबले के लिए वापस आना था, लेकिन उन्होंने अपनी छोटी उंगली के टूटने के कारण नाम वापस ले लिया। अंबानी परिवार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की क्रिकेट टीम मुंबई इंडियंस से भी जुड़ा हुआ है, इसलिए यह बेहद संपन्न परिवार इसे भारत में खेलों के लिए एक और मील का पत्थर मानता है।आयरिशमैन मैकग्रेगर भारत आने की पुष्टि करने के बाद इस मामले को पलटने के लिए उत्सुक होंगे। आयरिशमैन की सबसे हालिया परेशानी तब आई जब एक महिला ने उनके खिलाफ़ सिविल रेप केस जीता, जब उसने दिसंबर 2018 में डबलिन के एक होटल में मैकग्रेगर पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था।

दक्षिण अफ्रीका ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के लिए क्वॉलीफाई किया

सेंचुरियन, 30 दिसम्बर 2024। दक्षिण अफ्रीका ने सेंचुरियन में पहले टेस्ट में पाकिस्तान पर दो विकेट से रोमांचक जीत के बाद विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। सेंचुरियन में बॉक्सिंग डे टेस्ट की शुरुआत से पहले, दक्षिण अफ्रीका अगले साल लॉर्ड्स में होने वाले फाइनल मुकाबले के लिए अंक तालिका में शीर्ष पर था। पाकिस्तान के खिलाफ जीत ने सुनिश्चित किया कि वे शीर्ष दो में रहकर अपने पहले डब्ल्यूटीसी फाइनल में जगह पक्की करेंगे। घरेलू मैदान पर श्रीलंका के खिलाफ 2-0 से सीरीज जीतने के बाद प्रोटियाज पहले ही डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में शीर्ष पर थे। मौजूदा चक्र में 11 टेस्ट खेलने वाले दक्षिण अफ्रीका ने सात जीत और 66.67 अंक प्रतिशत हासिल किए हैं। मौजूदा चक्र की शुरुआत भारत के खिलाफ घरेलू मैदान पर ड्रॉ सीरीज और उसके बाद न्यूजीलैंड के हाथों क्लीन स्वीप के साथ

करने के बाद, प्रोटियाज ने वेस्टइंडीज और बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू मैदान से बाहर प्रभावशाली जीत के साथ वापसी की और उसके बाद घरेलू मैदान पर भी शानदार प्रदर्शन किया। टेम्बा बावुमा की अगुआई वाली टीम ने ऑस्ट्रेलिया, भारत और श्रीलंका को पछाड़कर फाइनल में जगह बनाने वाली पहली टीम बन गई है, जो धीमी ओवर गति के कारण किसी भी अंक की कटौती को छोड़कर, दावेदारी में भी हैं। सेंचुरियन टेस्ट में पाकिस्तान के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका ने पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला किया। तेज गेंदबाज डेन पैटरसन (5-61) और डेब्यू करने वाले कॉर्बिन बॉश (4-63) ने पहले दिन मेहमान टीम को ध्वस्त कर दिया। पाकिस्तान की वापसी के बावजूद, एडेन मार्कराम और कॉर्बिन बॉश ने प्रोटियाज को पहली पारी में 90 रन की महत्वपूर्ण बढ़त दिलाने में मदद की। पाकिस्तान की दूसरी पारी में बाबर आजम (50) और सऊद शकील (84) ने शानदार योगदान दिया, लेकिन मार्को जेनसन के 6-52 ने उन्हें 237 रन पर रोक दिया। 148 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए, दक्षिण अफ्रीका 99/8 पर मुश्किल में फंस गया, जिसमें मोहम्मद अब्बास ने छह विकेट लिए। हालांकि, कागिसो रबाडा (नाबाद 31) और मार्को जेनसन (नाबाद 16) ने धैर्य बनाए रखा और नौवें विकेट के लिए महत्वपूर्ण रन जोड़कर प्रोटियाज को यादगार जीत दिलाई।

श्रृंगारिका का टीजर हुआ रिलीज

जनवरी 2025 में आएगा अतरंगी ऐप पर

अतरंगी ऐप पर जल्द ही रिलीज होने वाली सीरीज श्रृंगारिका' का टीजर हाल ही में लॉन्च किया गया है. यह मिस्ट्री, रोमांस और जादू से भरपूर सीरीज जनवरी 2025 में प्रीमियर के लिए तैयार है. श्रृंगारिका' की कहानी एक ऐसी दुनिया में ले जाएगी, जहां प्यार और विश्वासघात के बीच जंग होती है और भाग्य अपने राज खोलता है. इस टीजर ने दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है, और इसकी भव्यता और रोमांचक कहानी ने सोशल मीडिया पर चर्चा का माहौल बना दिया है.अतरंगी

ऐप ने हमेशा अनोखे और मनोरंजक कंटेंट प्रस्तुत किए हैं, और श्रृंगारिका' इस परंपरा को आगे बढ़ाने का वादा करती है. यह सीरीज सिर्फ अतरंगी ऐप पर उपलब्ध होगी. तो तैयार हो जाइए एक रोमांचक सफर के लिए, जहां प्यार और जादू की दुनिया में आपको डुबकी लगाने का मौका मिलेगा. श्रृंगारिका' जनवरी 2025 में आपका इंतजार कर रही है.शो की कहानी एक रानी श्रृंगारिका के जीवन पर आधारित है, हालांकि किरदार के बारे में ज़्यादा कुछ नहीं बताया गया है, टीज़र की शुरुआत एक राजा से होती है जो एक महल में रहता है जहाँ उसकी रानी उसके साथ होती है।बैकग्राउंड में आवाज़ सुनाई देती है जो इसे एक राजा और उसकी प्रेमिका की कहानी बताती है, यह रहस्य, विश्वासघात और नफ़रत की कहानी भी है। टीज़र में आगे राजा और रानी की झलक दिखाई गई है।इस बीच, कुछ दृश्यों में राजा उग्र मूड में है, और कुछ दृश्यों में वह रानी से भिड़ता हुआ दिखाई देता है, एक दृश्य ऐसा भी है जहाँ राजा की शादी दिखाई जाती है।वह अपनी दुल्हन के साथ महल के अंदर प्रवेश कर रहा है। आवाज़ आगे कहती है कि यह एक राजा के रहस्य और उसकी रानी की नियति की कहानी है।

फिल्म डाकू महाराज से नंदमुरी बालकृष्ण का नया पोस्टर जारी

डाकू महाराज में बालकृष्ण का सामूहिक अवतार सबको चौंका देगा। बालकृष्ण अपनी आगामी सामूहिक एक्शन एंटरटेनर डाकू महाराज के साथ बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने के लिए कमर कस रहे हैं। बॉबी द्वारा निर्देशित यह फिल्म 12 जनवरी 2025 को एक शक्तिशाली संक्रांति स्पेशल के रूप में भव्य रिलीज के लिए तैयार है।निर्माता दिलचस्प और रोमांचक पोस्टर के साथ फिल्म प्रेमियों को लुभाने की कोशिश कर रहे हैं। निर्माताओं ने एक नया पोस्टर जारी किया जिसमें बालकृष्ण को जीप चलाते हुए दिखाया गया है।बालकृष्ण लाल शर्ट और नीली जींस में भारी भरकम दिख रहे थे और जीप चलाते हुए पीछे की ओर देख रहे थे। पोस्टर देखकर प्रशंसक खुशी से झूम उठे हैं और उन्हें भरोसा है कि फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित होगी।फिल्म में प्रज्ञा जायसवाल, श्रद्धा श्रीनाथ और उर्वशी रौतेला मुख्य भूमिका में हैं, जबकि बॉबी देओल खलनायक की भूमिका निभा रहे हैं। थमन इस फिल्म के संगीत निर्देशक हैं, जिसकी छायांकन विजय कार्तिक कन्नन ने किया है और संपादन निरंजन देवरामने ने किया है।

मिसमैच्ड 3 पर अहसास चन्ना ने कहा

ऐसा जटिल किरदार मैंने पहले कभी नहीं निभाया

अभिनेत्री अहसास चन्ना ने मिसमैच्ड 3 में अपने किरदार के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि इस तरह का जटिल किरदार उन्होंने पहले कभी नहीं निभाया।अहसास चन्ना ने कहा, मिसमैच्ड में मेरा किरदार पिछले सीजन से थोड़ा हटकर है। इस बार मेरे किरदार में कुछ अलग देखने को मिलेगा।बेशक आपको अनमोल और विन्नी का इसमें रोमांटिक रिश्ता देखने का मिलता है, मिसमैच्ड इन युवाओं के रोमांटिक रिश्तों के बारे में ही है।यह पूछे जाने पर कि यह उनके पहले के किरदारों से इस बार की किरदार कितना अलग है, उन्होंने कहा, यह निश्चित रूप से मेरे पहले के किरदारों से बहुत अलग है। वह बहुत जागरूक है और सही-गलत में अंतर जानती है और नैतिकता की बहुत मजबूत समझ रखती है।मैंने पहले कभी इस तरह का किरदार नहीं निभाया जो इतना जटिल हो।जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें लगता है कि वेब सीरीज एक पैटर्न में आ गई है और इसे फिर से बनाने की जरूरत है, तो अभिनेत्री ने कहा कि वह इस सवाल का जवाब देने के लिए बहुत छोटी हैं।अहसास ने कहा हां, मैंने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर कई तरह के किरदारी निभाए हैं। उनमें से प्रत्येक एक-दूसरे से बहुत अलग हैं।अहसास ने कहा, मैंने इस पर बहुत ज्यादा विचार नहीं किया है। हमारे फिल्म अभिनेता और टीवी अभिनेता ज्यादा लोकप्रिय हैं। लेकिन ऐसा इसलिए भी है क्योंकि उनके पास ज्यादा फॉलोअर्स हैं। ओटीटी एक प्लेटफॉर्म के रूप में अन्य दो की तुलना में बहुत नया है। लेकिन ऐसा कहने के बाद मुझे नहीं लगता कि अभी किसी भी माध्यम के बीच कोई स्पष्ट अंतर है। फिल्म अभिनेता ओटीटी कंटेंट कर रहे हैं। ओटीटी अभिनेता फिल्म कंटेंट कर रहे हैं।

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

प्रमोट हुए डीपीआर के चार अधिकारी

रायपुर,30 दिसम्बर 2024(ए)। जनसंपर्क विभाग के अफसरों का प्रमोशन हुआ है। दो सहायक संचालकों को जहां उप संचालक के पद पर पदोन्नति दी गई है, वहीं दो उप संचालकों को संयुक्त संचालक बनाया गया है। आनंद प्रकाश सोलंकी और शशि रत्न परासर जहां सहायक संचालक से उप संचालक के पद पर पदोन्नति दी गयी है, जबकि उषा किरण और मृगेंद्र सिंह सोरी को उप संचालक से संयुक्त संचालक बनाया गया है।

डीएड अभ्यर्थियों को मिली बड़ी राहत

सहायक शिक्षक पद पर नियुक्ति का आदेश जारी

रायपुर,30 दिसम्बर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ के डीएड अभ्यर्थियों को नए साल का तौहफा मिला है। दरअसल राज्य सरकार ने हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन करते हुए शिक्षा विभाग को सहायक शिक्षक के पदों पर नियुक्ति के लिए अनुमति दे दी है। लगभग 2900 डीएड अभ्यर्थियों को को सहायक शिक्षक के पद पर नियुक्ति दी जाएगी।

स्कूल शिक्षा विभाग, मंत्रालय द्वारा इस संबंध में आदेश जारी कर दिए गए हैं। यह फैसला डीएड अभ्यर्थियों के लिए राहत की बात है, जो लंबे समय से अपनी नियुक्ति का इंतजार कर रहे थे।

छग बीजेपी को जनवरी में मिलेगा नया अध्यक्ष

रायपुर,30 दिसम्बर 2024(ए)। छग बीजेपी को नया अध्यक्ष जनवरी मिलेगा। धरमलाल कौशिक को नए अध्यक्ष बनाये जाने की चर्चा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक छग के साथ साथ बीजेपी संगठन एमपी में भी नए अध्यक्ष की नियुक्ति करने जा रही है। वर्तमान अध्यक्ष किरण सिंहदेव को बड़ी जिम्मेदारी सौंपे जाने की चर्चा जोरों पर है। दिल्ली में भाजपा पदाधिकारियों की हुई बैठक में शामिल होकर लौटे प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव ने बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का शताब्दी वर्ष अलग-अलग चरणों में मनाया जाएगा। 25 दिसंबर 2025 तक जन्मदिन कार्यक्रम चलेगा किरण सिंहदेव ने बताया कि कल दिल्ली में महत्त्वपूर्ण बैठक हुई है। बैठक में पार्टी के सारे प्रदेश के अध्यक्ष, प्रभारी, वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल हुए. संगठन चुनाव को लेकर चर्चा हुई। नगरीय निकाय चुनाव और आगामी वर्ष की कार्ययोजना पर चर्चा हुई।

महासमुंद में मुस्लिम समुदाय के दो गुटों में मारपीट,कई घायल

महासमुंद,30 दिसम्बर 2024(ए)। महासमुंद से बड़ी खबर सामने आई है, मुस्लिम समुदाय के दो गुटों में विवाद हो गया। इस दौरान जमकर लाठी डंडे चले साथ ही गाड़ियों में तोड़फोड़ हुई। बताया जा रहा है कि विवाद राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ सलीम राज के स्वागत को लेकर हुई है. मौके पर भारी संख्या में फोर्स की तैनाती हुई है।

कैबिनेट की बैठक में राईस मिलर्स को दिया लाभ

सरकार ने राइस मिलर्स को खरीफ विपणन वर्ष 2022-23 की दूसरी किस्त देने का लिया निर्णय

रायपुर,30 दिसम्बर 2024 (ए)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक आज मंत्रालय महानदी भवन में संपन्न हुई,जिसमें राज्य के विकास को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। साय सरकार ने राईस मिलर्स को खरीफ विपणन वर्ष 2022-23 में राईस मिलों को लंबित प्रोत्साहन राशि की द्वितीय किश्त देने का निर्णय लिया है। साय कैबिनेट की बैठक में लिए गए अहम फैसले

फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' हुआ टैक्स फ्री

मुख्यमंत्री ने फिल्म द साबरमती रिपोर्ट को छत्तीसगढ़ में टैक्स फ्री घोषित किया। इसके तहत फिल्म के प्रदर्शन पर राज्य माल और सेवा कर (एसजीएसटी) के समतुल्य धनराशि की प्रतिपूर्ति किये जाने का अनुमोदन किया गया।

धान और चावल परिवहन की दरों पर निर्णय

खरीफ विपणन वर्ष 2022-23, 2023-24 और 2024-25 के लिए विकेन्द्रीकृत उपार्जन योजना में धान और चावल परिवहन की दर के लिए राज्य स्तरीय समिति की अनुशंसा दर को स्वीकृत किया गया।

चतुर्थ राज्य वित्त आयोग की अनुशंसा पर निर्णय

मंत्रिपरिषद ने चतुर्थ राज्य वित्त आयोग की अनुशंसाओं पर शासन की एक्शन टेकन रिपोर्ट को विधानसभा के पटल पर रखने का निर्णय लिया।

राईस मिलों को प्रोत्साहन राशि की द्वितीय किश्त

खरीफ विपणन वर्ष 2022-23 में राईस मिलों को लंबित प्रोत्साहन राशि की द्वितीय किश्त प्रदाय किए जाने का निर्णय लिया गया।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस में मचा घमासान

टिकट बिक्री और अजीत कुकरेजा की वापसी पर विरोध बढ़ा

रायपुर,30 दिसम्बर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ कांग्रेस में कुछ नेताओं की पार्टी में वापसी को लेकर विवाद गहरा गया है। इस बार, पूर्व विधायक कुलदीप जुनेजा ने पूर्व कांग्रेस नेता अजीत कुकरेजा और आनंद कुकरेजा की पार्टी में वापसी पर विरोध जताया है। इससे पहले, जुनेजा ने जोगी परिवार और बृहस्पत की कांग्रेस में पुनः प्रवेश पर भी अपनी असहमति और नाराजगी व्यक्त की थी। अब, जुनेजा ने पार्टी में टिकटों की बिक्री को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं, जिसे लेकर कांग्रेस में नया विवाद उत्पन्न हो गया है। कुलदीप जुनेजा ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज से मुलाकात कर उन्होंने अजीत और आनंद कुकरेजा पर आरोप लगाया कि ये दोनों नेताओं ने हमेशा पार्टी के टिकट को पैसे के बल पर हासिल करने की बात की है और अब वही पैसों के दम पर कांग्रेस में वापसी कर रहे हैं। जुनेजा ने यह भी कहा कि कांग्रेस पार्टी में टिकटों की बिक्री की घटनाएं आम हो गई हैं, जिससे पार्टी की साख को नुकसान पहुंच रहा है।कुलदीप जुनेजा ने इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज से इस मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि पार्टी में इस तरह की गतिविधियों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि कार्यकर्ताओं और जनता में विश्वास बनाए रखा जा सके। इसके साथ ही, जुनेजा ने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस में टिकट के लिए पैसों की लेन-देन की बातें खुलेआम की जाती हैं, जिससे पार्टी का इमेज प्रभावित होती है।

दिल्ली में संगठन-निकाय चुनाव को लेकर बनी कार्ययोजना : सिंहदेव

रायपुर,30 दिसम्बर 2024 (ए)। दिल्ली में भाजपा पदाधिकारियों की हुई बैठक में शामिल होकर लौटे प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव ने बताया कि कल दिल्ली में महत्त्वपूर्ण बैठक हुई है. बैठक में पार्टी के सारे प्रदेश के अध्यक्ष, प्रभारी, वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल हुए. संगठन चुनाव को लेकर चर्चा हुई. नगरीय निकाय चुनाव और आगामी वर्ष की कार्ययोजना पर चर्चा हुई.सिंहदेव ने बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का शताब्दी वर्ष अलग-अलग चरणों में मनाया जाएगा. 25 दिसंबर 2025 तक जन्मदिन कार्यक्रम चलेगा. इसके अलावा संविधान के 75 वें वर्ष में विभिन्न चरणों में कार्यक्रमों का आयोजन होगा. विचार गोष्ठी, गुड गवर्नेंस और विकास के दृष्टि से कार्यक्रम होंगे।

शराब ठेकेदार के घर 60 लाख के आभूषण और 70 हजार रुपये की चोरी

सीसीटीवी कैमरा बंद पाकर हुआ खुलासा

भिलाई,30 दिसम्बर 2024(ए)। साल के आखिरी दिनों में विवेकानंद नगर कोहका में चोरी की एक बड़ी वारदात सामने आई है। शराब ठेकेदार अरविंद सिंह के घर में चोरों ने 60 लाख रुपये के सोने के आभूषण और 70 हजार रुपये कैश चुराए हैं।

पुलिस ने बताया कि अरविंद सिंह ओडिशा में शराब दुकान का ठेकेदार है। वह 22 दिसंबर को अपने परिवार के साथ बोकारो, झारखंड गया था। घर में उसने मछलियों के लिए एक्वेरियम रखा था और उनके खाने के लिए अपनी नौकरानी को घर की चाबी दी थी। इस दौरान अरविंद सिंह घर में लगे सीसीटीवी कैमरे का लाइव फीड अपने मोबाइल पर देखता रहता था। 26 दिसंबर तक सीसीटीवी कैमरे का फीड सही था, लेकिन 27 दिसंबर को सुबह उसने जब कैमरे का लाइव फीड चेक किया तो वह बंद मिला। इसके बाद अरविंद ने घर में जाकर देखा तो पता चला कि चोरों ने बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और चोरों की तलाश जारी है।

पूर्व गृहमंत्री ने पीएम मोदी को

डीएमएफ में हजारों करोड़ का घोटाला

ननकीराम ने पीएम को लिखा पत्र

रायपुर,30 दिसम्बर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ के पूर्व वन मंत्री और गृहमंत्री रहे ननकी राम कंवर ने कोरबा सहित पूरे प्रदेश में डीएमएफ फंड में लगभग 10,000 करोड रुपए के घोटाले की लिखित शिकायत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गृहमंत्री अमित शाह खनिज मंत्री रेड्डी सहित अन्य केंद्रीय नेताओं को देकर इसकी सीबीआई से जांच करने की मांग की है। जो पत्र ननकी राम कंवर ने उपरोक्त नेताओं को दिए हैं उसकी कॉपी पीडीएफ में है कृपया उसका अवलोकन करें।

नए साल लगने से एक दिन पहले हिस्ट्रीशीटरों की लगी क्लास

एसपी डॉ.लाल उमेद सिंह ने दी समझाईश

रायपुर,30 दिसम्बर 2024 (ए)। आगामी नववर्ष उत्सव को दृष्टीगत रखते हुए अपराधों की रोकथाम, अपराधियों पर नकेल कसने सहित सुरक्षा व शांति व्यवस्था के मद्देनजर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय डॉ. लाल उमेद सिंह के निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक क्राईम संदीप मित्तल एवं उप पुलिस अधीक्षक क्राईम संजय सिंह के नेतृत्व में क्राईम ब्रांच की टीम द्वारा आज अलग- अलग थाना क्षेत्रों में निवासरत 50 से अधिक चाकूबाजों, हिस्ट्रीशीटरों एवं अपराधिक तत्वों को क्राईम ब्रांच में हाजिर किया गया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा स्वयं चाकूबाजों, हिस्ट्रीशीटरों एवं अपराधिक तत्वों की परेड़ ली जाकर उन्हें कड़ाई से समझाईश दी गई, कि वे किसी भी प्रकार के अपराध में संलिप्त ना रहे तथा उनके साथी जो अपराधों में संलिप्त रहते है, उनके संबंध में भी पुलिस को जानकारी देने कहा गया। प्रत्येक सप्ताह अपने संबंधित थानों में जाकर हाजिरी देने व अपराधों से दूर रहकर शांति पूर्वक अपने परिवार के साथ जीवन यापन करते हुये, पुलिस द्वारा जब भी उन्हें उपस्थित होने कहा जाता है तो तत्काल उपस्थित होने कहा गया। उनके निवास क्षेत्रों के आसपास किसी भी प्रकार की छोटी-बड़ी घटना होने पर सूचना तत्काल पुलिस को देने तथा क्षेत्र में सुरक्षा, शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने में पुलिस का सहयोग करने कहा गया।

इसके साथ ही वरिष्ठ पुलिस द्वारा सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्मों में गुण्डा, डॉन, माफिया, गैंगस्टर सहित अन्य कई विभिन्न नामों से अपना आई.डी. बनाकर हाथ में चाकू, तलवार, एयर गन, पिस्टलनुमा लाईटर गन सहित अन्य हथियारों के साथ फोटो, विडियो व रील्स बनाकर अपने इंस्टाग्राम आई.डी. में अपलोड कर पोस्ट करने वालों को भी कड़ाई से समझाईश दिया गया, कि वे इस प्रकार की पुनरावृत्ति ना करें तथा किसी भी प्रकार के अपराधों में लिप्त ना रहें। साथ ही ऐसे लोगों के आई.डी. को सायबर सेल की टीम द्वारा डिलीट कराया जा रहा है।

रेलवे में नौकरी लगाने के नाम पर पांच लाख की ठगी

आरोपी पति-पत्नी पुलिस के गिरफ्त में

बिलासपुर,30 दिसम्बर 2024 (ए)। सरकारी नौकरी लगाने के नाम पर बेरोजगार युवाओं से ठगी करने के कई मामले सामने आ रहे हैं। कभी हाईकोर्ट में तो कभी बैंक में नौकरी लगाने की बात कहकर ठगी युवाओं को झांसे में लेते हैं। एक मामला और सामने आया है। जिसमें रेलवे में नौकरी लगाने के नाम पर पति-पत्नी की जोड़ी ने एक युवक से साढ़े पांच लाख रुपये की ठगी की है। दोनों आरोपियों को पुलिस ने बिहार के भागलपुर जिला से गिरफ्तार किया है।मामला बिल्हा थाना क्षेत्र का है। जहां पर रहने वाले डोमन कुमार राजपूत ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में उसने बताया कि आरोपी रूपेश कुमार रजक और उसकी पत्नी रोमा कुमार ने उसे रेलवे में नौकरी दिलाने के नाम पर 5.40 हजार रुपये ठगे। पीडित की मुलाकात रूपेश से ट्रेन में सफर के दौरान हुई थी। जहां रूपेश ने खुद को रेलवे का लोको पायलट बताते हुए रेलवे के उच्च अधिकारियों से करीबी संबंध होने का दावा किया। इस विश्वास में आकर पीड़ित ने कई किश्तों में राशि ट्रांसफर कर दी।ठगी के सबूत के तौर पर आरोपी ने फर्जी नियुक्ति पत्र भी दिया। जब नियुक्ति नहीं हुई तो पीड़ित ने आरोपी से अपने पैसे वापस मांगे तो वह टालता रहा और ऐसे में परेशान होकर पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस में की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनुज कुमार और सीएसपी चकरभाठा डीआर टंडन के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया। बिलासपुर पुलिस की एसीसीयू टीम और थाना बिल्हा की संयुक्त कार्रवाई के तहत तकनीकी इनपुट और ग्राउंड रिपोर्ट के आधार पर आरोपी पति-पत्नी को उनके निवास स्थान मायागंज जिला भागलपुर बिहार से गिरफ्तार किया गया।

दर्दनाक हादसे में तीन दोस्तों की मौत

राजनांदगांव,30 दिसम्बर 2024 (ए)। क्षेत्र के मुरमुंदा तिराहा का है। मिली जानकारी के मुताबिक मरने वालों में भुवन यादव (30), तुलेश्वर यादव (26) और नारद यादव (30) शामिल है। तीनों मुरमुंडा गांव के रहने वाले थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों युवकों की हड्डियां तक चकनाचूर हो गईं। जिले में तेज रफ्तार ट्रक ने रविवार को बाइक सवार तीन दोस्तों को टक्कर मार दी। युवक बाइक से दूर जाकर गिरे, जिससे तीनों की मौके पर मौत हो गई। हादसे को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश का माहौल है। मामला घुमका थाना

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)